आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 271 | उज्जैन, गुरुवार 21 अगस्त 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

सम्पूर्णता अभियान से आकांक्षी जिलों और विकासखंडों के रहवासियों के जीवन में आया सकारात्मक बदलाव-मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और प्रतिबद्धता के परिणाम स्वरूप देश ने विकास की नई गति प्राप्त की है। पिछड़े जिलों? और विकासखंडों को आकांक्षी रूप में चिन्हित कर विकास के लिए समन्वित प्रयास करना, इस दिशा में उठाया गया प्रभावी कदम है। आज आयोजित सम्पूर्णता अभियान सम्मान समारोह, जिला और विकासखंड स्तर पर स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, आधारभूत संरचना और सुशासन में आए सकारात्मक परिवर्तन का सशक्त उदाहरण है। इन जिलों और विकासखंडों के रहवासियों के जीवन और जीवन जीने की परिस्थितियों में आया बदलाव अभियान की सफलता को अभिव्यक्त करता है। सम्पूर्णता अभियान से आकांक्षी जिलों और विकासखंडों में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण और उन्हें पोषक भोजन की उपलब्धता, बच्चों के टीकाकरण, मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण, स्कूलों में बिजली की उपलब्धता और समय पर पाठ्य पुस्तक वितरण जैसी गतिविधियों में सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को राज्य स्तरीय सम्पूर्णता अभियान सम्मान समारोह के अंतर्गत कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्पूर्णता अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रदेश के आकांक्षी जिलों और विकासखंडों के अधिकारियों को उनकी टीम सहित सम्मानित किया।

राज्य नीति आयोग की कॉफी टेबल बुक का विमोचन-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने राज्य नीति आयोग द्वारा प्रदेश में संचालित विकास गतिविधियों और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों पर विकसित कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया।

1 महीने में 25-25 हजार रुपये दो, 84 बच्चों को कुत्ते का झूठा खाना खिलाने पर हाईकोर्ट का फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी स्कूल में बच्चों को कुत्ते का झूठा खाना खिलाने पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। हाईकोर्ट ने सरकार को आदेश दिया है कि एक महीने के भीतर सभी छात्रों को 25-25 हजार रुपये का मुआवजा दिया जाए।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में 2 जजों की पीठ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गरु ने मामले पर सुनवाई करते हुए 84 छात्रों को मुआवजा देने का आदेश दिया है।

हाई कोर्ट ने दिया आदेश- हाईकोर्ट का कहना है कि स्कूल में जानबूझकर कुत्ते का झूठा खाना परोसना राज्य सरकार की बड़ी लापरवाही है। इससे कई मासूम बच्चों की जान भी जान सकती थी। इसलिए स्कूल के 84 बच्चों को 1 महीने के अंदर 25 हजार रुपये का मुआवजा दिया जाए।

क्या है पूरा मामला- यह मामला छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले कै पलारी ब्लॉक में स्थित लच्छनपुर शासकीय माध्यमिक विद्यालय का है। 28 जुलाई को स्कूल में बना मिड डे मील का खाना कुत्ते ने जूठा कर दिया था। ऐसे में बच्चों ने इसकी जानकारी शिक्षकों को दी, मगर मामले पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया और सभी बच्चों को यही खाना परोसा गया।

जैसलमेर से लग रही थी देश की सुरक्षा में सेंध, पाकिस्तान को भेजी गई खुफिया जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर में एक बार फिर देश की सुरक्षा में सेंध लगाने मामला सामने आया है। मंगलवार (19 अगस्त) को मिलिट्री इंटेलिजेंस ने 30 साल के एक शख्स को पकड़ा है जिस पर पाकिस्तान के लिए जासूसी करने का शक है।

इस शख्स का नाम जिवन खान है। वह जैसलमेर के सांकड़ा इलाके का रहने वाला है। उसे कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया गया है। खान पहले सेना के इलाके में एक रेस्तरां में काम कर चुका है और अब वह दोबारा सैन्य क्षेत्र में घुसने की कोशिश कर रहा था।

खान को सैन्य क्षेत्र के गेट पर रोका गया, जहां उसका मोबाइल चेक करने पर शक पैदा हुआ। मिलिट्री इंटेलिजेंस ने उसे हिरासत में लिया और बाद में मंगलवार रात को पुलिस को सौंप दिया। पूछताछ में खान ने कबूल किया कि उसके रिश्तेदार पाकिस्तान में रहते हैं। अब उसे जॉइंट इंटररोगेशन सेंटर में ले जाया जाएगा, जहां कई सुरक्षा एजेंसियां उससे पूछताछ करेंगी।

यह जैसलमेर में जासूसी का चौथा मामला है। हाल के मामलों ने सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ा दी है।

पीएम, सीएम और मंत्री... सभी आएंगे जद में, इस बिल को लेकर संसद में विपक्ष का हंगामा

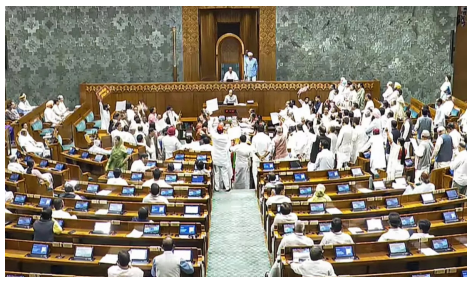

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में तीन विधेयक पेश किया इसमें प्रस्ताव है कि यदि किसी मौजूदा मंत्री, मुख्यमंत्री या यहां तक कि प्रधानमंत्री को पांच साल या उससे अधिक की जेल की सजा वाले अपराध के लिए लगातार 30 दिनों तक गिरफ्तार या हिरासत में रखा जाता है तो उन्हें एक महीने के भीतर अपना पद गंवाना पड़ सकता है।

इस बीच एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने विधेयक पेश करने के कदम का विरोध किया, जिसके बाद विपक्ष ने नारेबाजी शुरू कर दी।

ओवैसी ने विधेयकों का विरोध करते हुए कहा, यह शक्तियों के पृथक्करण का उल्लंघन करता है। यह कार्यकारी एजेंसियों को न्यायाधीश, जूरी और जल्लाद की भूमिका निभाने का अधिकार देता है। यह विधेयक गैर-निर्वाचित लोगों को जल्लाद की भूमिका निभाने का अधिकार देगा।

उन्होंने आगे कहा, इस विधेयक की धाराओं का इस्तेमाल सरकारों को अस्थिर करने के लिए किया जा सकता है। यह विधेयक गेस्टापो बनाने के अलावा और कुछ नहीं है।

विपक्ष का जोरदार हंगामा- बिल के पेश होने के बाद सदन में विपक्ष का जोरदार हंगामा देखने को मिला। इस बीच सदन तीन बजे तक स्थगित कर दी गई है। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकार (संशोधन) विधेयक। ये तीनों विधेयक एक पूरी तरह से नए कानूनी ढांचे का प्रस्ताव हैं।

सिद्दरमैया सरकार का आरक्षण में बड़ा बदलाव, SC की 101 जातियों को इतने वर्गों में बांटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक की सिद्दरमैया सरकार ने अनसूचित जातियों (एससी) के बीच आंतरिक आरक्षण देने का फैसला किया है। इसके लिए 101 जातियों को तीन वर्गों में बांटा जाएगा। हालांकि आयोग की रिपोर्ट को अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है, इस बात की जानकारी सूत्रों के हवाले से सामने आई है।

मंगलवार (19 अगस्त, 2025) को हुई स्पेशल मीटिंग में कैबिनेट ने जस्टिस एचएन नागमोहन दास आयोग की रिपोर्ट की सिफारिशों पर चर्चा की। आयोग ने 4 अगस्त को मुख्यमंत्री सिद्दरमैया को अपनी 1766 पेजों की रिपोर्ट सौंपी थी और 7 अगस्त को इसे कैबिनेट के सामने रखा था। आंतरिक आरक्षण का उद्देश्य 101 अनुसूचित जातियों को दिए गए 17 प्रतिशत आरक्षण मैट्रिक्स को कम करना है।

सूत्रों के अनुसार, कैबिनेट ने न्यायमूर्ति नागमोहन दास आयोग की रिपोर्ट को स्वीकार करने का फैसला किया, लेकिन इसमें कुछ बदलाव भी किए। राज्य में अनुसूचित जातियों को मिल रहे 17 प्रतिशत आरक्षण में से, कैबिनेट की ओर से विकसित आंतरिक आरक्षण फार्मूले के मुताबिक, अनुसूचित जाति (दक्षिणपंथी) और अनुसूचित जाति (वामपंथी) को 6-6 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा, जबकि स्पृश्य दलित समुदायों (लम्बानी, भोवी, कोरमा और कोरचा) और अति पिछड़े तथा खानाबदोश समुदायों को 5 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा।

बूंदी में भीषण सड़क हादसा, महिला मजदूर समेत 4 की मौत और 5 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में भयंकर सड़क हादसा हो गया, जिसमें 1 महिला समेत 4 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 5 लोग बुरी तरह से घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है।

यह हादसा राजस्थान के बूंदी जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर देखने को मिला। अधिकारियों के अनुसार, सभी मृतक पेशे से मजदूर थे, जिनमें एक महिला भी शामिल है। चारों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसा आज सुबह लगभग 4:30 बजे सुताड़ा गांव में हुआ। हादसे की सूचना मिलते ही डाबी पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची।

NDA उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने दाखिल किया नामांकन, पीएम मोदी बने पहले प्रस्तावक

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन ने अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। इस मौके पर उनके साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे।

राधाकृष्णन के नामांकन दाखिल के दौरान भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह के अलावा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, किरेन रिजिजू और एनडीए के कई बड़े नेता भी मौजूद थे।

4 सेटों में दाखिल हुआ नामांकन- नामांकन चार सेटों में दाखिल हुआ है, जिनमें से प्रत्येक पर 20 प्रस्तावकों और 20 अनुमोदकों के हस्ताक्षर हैं। पहले सेट में मुख्य प्रस्तावक के रूप में प्रधानमंत्री मोदी के हस्ताक्षर हैं, जबकि बाकी सेटों में केंद्रीय मंत्रियों और वरिष्ठ एनडीए नेताओं के हस्ताक्षर हैं, जो गठबंधन में व्यापक सहमति को दर्शाता है।

160 सदस्य रहे मौजूद- संसद भवन में नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान मंत्रियों और सांसदों सहित एनडीए के लगभग 160 सदस्य उपस्थित रहे। सीपी राधाकृष्णन को नामित करने का निर्णय केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के आवास पर आयोजित एनडीए के नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया।

एनडीए के वरिष्ठ सहयोगी और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने सर्वसम्मति से समर्थन की पुष्टि करते हुए कहा कि उपस्थित सभी नेताओं ने राधाकृष्णन की उम्मीदवारी के लिए अपना पूर्ण समर्थन देने का संकल्प लिया।

ट्रंप-पुतिन की बैठक के बाद अलास्का के मार्क वॉरेन की लगी लॉटरी, रूसी राष्ट्रपति ने गिफ्ट की महंगी बाइक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के अलास्का में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात के बाद वहां रहने वाले एक साधारण शख्स मार्क वॉरेन की जिंदगी बदल सी गई है।

दरअसल जब पुतिन अलास्का आए तो रूसी मीडिया की नजर मार्क वॉरेन पर पड़ी और वह पुरानी सोवियत जमाने की मोटरबाइक से अपना दैनिक काम करते थे।

रूसी मीडिया ने मार्क को उनकी पुरानी बाइक के साथ देखा और उसकी तारीफ की। मार्क ने बताया कि उनकी बाइक के लिए स्पेयर पार्ट्स मिलना मुश्किल हो गया था, क्योंकि इसका कारखाना यूक्रेन में है।

इसके बाद फिर देखते ही देखते मार्क रूस में वायरल हो गए। फिर ये मार्क की वायरल वीडियो पुतिन तक पहुंची और उन्होंने मार्क को एक चमचमाती नई उराल मोटरबाइक तोहफे में दी।

मार्क एक रिटायर्ड फायर इंस्पेक्टर हैं। हालांकि मार्क की पुतिन से कभी मुलाकात नहीं हुई, लेकिन उनकी पुरानी बाइक की कहानी रूस में जमकर वायरल हो रही है। एक रूसी पत्रकार ने उनसे पूछा, अगर पुतिन और ट्रंप इस मुलाकात में यूक्रेन के मसले को सुलझा लें, तो आपके लिए अच्छा होगा? मार्क ने जवाब दिया, हां, ये अच्छा होगा।

पुतिन ने बाइक किया गिफ्ट- कुछ ही दिनों बाद मार्क को एक फोन आया। रूसी पत्रकार ने बताया कि उनकी कहानी रूस में वायरल हो गई है और खुद पुतिन ने इसे देखा है। रूसी अधिकारियों ने मार्क को 22,000 डॉलर की नई उराल मोटरबाइक देने का वादा किया। पहले तो मार्क को लगा कि ये कोई धोखा है, लेकिन ट्रंप-पुतिन की मुलाकात के 24 घंटे के भीतर रूसी दूतावास के अधिकारियों ने उनसे संपर्क किया और नई बाइक सौंपने की बात पक्की की। यह तोहफा सौंपने का समारोह रूसी सरकारी टीवी पर दिखाया गया। मार्क ने कहा कि उन्हें अपनी पुरानी बाइक बहुत पसंद थी, लेकिन नई बाइक उससे कहीं बेहतर है। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा, मैं तो हैरान हूं, ये कमाल है। बहुत-बहुत शुक्रिया।

पुतिन के तोहफे पर विवाद- हालांकि, मार्क को इस तोहफे के लिए कुछ आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा। कई लोगों ने कहा कि उन्हें पुतिन का तोहफा नहीं लेना चाहिए था, क्योंकि ये रूसी प्रचार का हिस्सा हो सकता है। लेकिन मार्क ने इन बातों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, उन्हें मुझसे कुछ नहीं मिल रहा।

बांग्लादेशी मूल के कैरान काजी ने क्यों छोड़ी एलन मस्क की कंपनी?

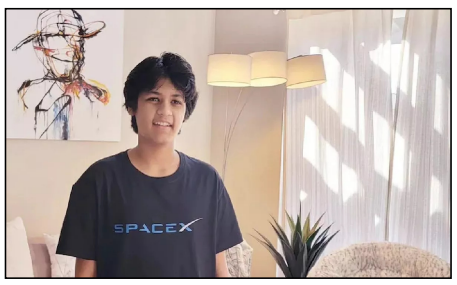

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेशी मूल के 16 वर्षीय कैरान काजी ने एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स से इस्तीफा दे दिया है। लगभग 2 साल तक कंपनी में काम करने के बाद उन्होंने अपना पद छोड़ दिया है। कैरान अब जल्द ही दूसरी कंपनी का हिस्सा बनने वाले हैं।

कैरान अमेरिका के विश्वविद्यालय से ग्रैजुएशन करने वाले सबसे कम उम्र के छात्र हैं। 2023 में वो महज 14 साल के थे, जब उन्होंने सबसे युवा कर्मचारी के तौर पर एलन मस्क की स्पेस कंपनी SpaceX का हाथ थामा था।

नई कंपनी का बनेंगे हिस्सा- 2 साल तक स्पेसएक्स में कैरान ने स्टारलिंक डिविजन में कई बड़े योगदान दिए। क्रिटिकल सिस्टम बनाने से लेकर सैटेलाइट की सटीकता सुनिश्चित करने में कैरान का अहम रोल था। वहीं, अब कैरान न्यूयॉर्क के सिटाडेल सिक्योरिटीज में ग्लोबल ट्रेडिंग इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियर के रूप में नया पद संभालेंगे।

एलन मस्क की कंपनी पर क्या बोले कैरान- एलन मस्क की कंपनी का हिस्सा बनने को लेकर कैरान कहते हैं कि उन्होंने बैद्धिक जटिलता और त्वरित प्रतिक्रिया के कारण इस कंपनी को चुना था, जिसका न सिर्फ उनके करियर पर बल्कि पर्सनालिटी पर भी गहरा असर पड़ा है।

कैरान के अनुसार, स्पेसएक्स में दो साल बिताने के बाद, मैं खुद को नई चुनौतियों का सामना करने और एक अलग उच्च प्रदर्शन वाले वातावरण में अपने कौशल का विस्तार करने के लिए तैयार महसूस कर रहा हूं।

कौन हैं कैरान काजी- बता दें कि कैरान काजी ने महज 14 साल की उम्र में सांता क्लारा विश्वविद्यालय से कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की थी। इसी के साथ वो सबसे कम उम्र में ग्रैजुएशन करने वाले छात्र बन गए थे।

कैरान महज 10 साल के थे, जब उन्होंने इंटेल लैब्स में इंटर्नशिप की। कैरान ने 2022 में साइबर-इंटेलिजेंस फर्म Blackbird.AI में मशीन लर्निंग में भी इंटर्नशिप की थी। कैरान को कंप्यूटिंग और प्रोग्रामिंग का भी अच्छा अनुभव है।

जानकारी के अनुसार, कैरान काजी का नया ऑफिस उनके आवास से भी काफी पास है। वो महज 10 मिनट चलकर अपने दफ्तर आसानी से पहुंच सकते हैं।

आर्थिक तंगी से जूझ रही हैं एलन मस्क की पूर्व पत्नी, अब करेंगी यह काम

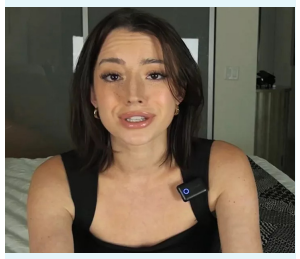

नई दिल्ली (एजेंसी)। एलन मस्क की पूर्व पत्नी एशले सेंट क्लेयर ने हाल ही में एक वीडियो जारी कर कहा कि वह आर्थिक तंगी से जूझ रही हैं और उनका करियर पूरी तरह से तबाह हो चुका है। वहीं, अपनी जीविका चलाने के लिए उन्होंने एक पॉडकास्ट शुरू किया है। एशले सेंट क्लेयर ने अपने नए पॉडकास्ट लॉन्च के दौरान आर्थिक तंगी की घोषणा की।

26 वर्षीय एशले बेटे रोमुलस को लेकर टेस्ला के सीईओ के साथ अपनी कस्टडी की लड़ाई में उलझी हुई हैं। उन्होंने पॉडकास्ट की शुरुआत यह कहकर की कि वह आर्थिक तंगी से जूझ रही हैं, जबकि ऐसी खबरें हैं कि मस्क ने उन्हें काफी आर्थिक मदद दी है।

ऐसी खबरें आई थीं कि मस्क ने अपने बेटे के जन्म का राज छुपाने के लिए एशले को 1.5 करोड़ डॉलर की पेशकश की थी। वहीं, अब एशले ने बैड एडवाइस नाम का एक पॉडकास्ट शुरू किया है जो यूट्यूब पर दिखेगा। इसके पहले एपिसोड में उन्होंने अपनी आर्थिक तंगी को लेकर खुलासा किया।

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए ट्रंप ने भारत पर लगाए प्रतिबंध, व्हाइट हाउस ने जारी किया बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने मंगलवार (स्थानीय समय) को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को यूक्रेन संघर्ष को आगे बढ़ाने से रोकने के लिए भारत पर टैरिफ लगाए हैं। बता दें कि ट्रंप ने पहले घोषित 25 प्रतिशत टैरिफ पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाकर भारत के टैरिफ को दोगुना करके 50 प्रतिशत कर दिया है।

लेविट ने प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि प्रतिबंधों के पीछे का उद्देश्य रूस पर अतिरिक्त दबाव डालना था। उन्होंने कहा कि देखिए, राष्ट्रपति ने इस युद्ध को समाप्त करने के लिए भारत की जनता पर जबरदस्त दबाव डाला है। जैसा कि आपने देखा, भारत पर प्रतिबंध और अन्य कदम भी उठाए हैं। उन्होंने खुद स्पष्ट कर दिया है कि वह इस युद्ध को समाप्त होते देखना चाहते हैं।

इससे पहले, ट्रंप ने व्हाइट हाउस में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की से मुलाकात की। जेंलेंस्की ने यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए पुतिन के साथ त्रिपक्षीय बैठक के लिए अपनी इच्छा जताई। ट्रंप ने कहा कि उनका दिन बेहद सफल रहा, जबकि जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ उनकी अब तक की यह सबसे अच्छी बातचीत थी।

तो क्या दुनिया में होंगे डबल सीजफायर? रूस-यूक्रेन के अलावा इन देशों के बीच भी रुक सकता है युद्ध, ट्रंप का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना महामारी का भयानक काल खत्म होने के बाद दुनिया के कई देश युद्ध की चपेट में आ गए। फरवरी 2022 में रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया। यह युद्ध चल ही रहा था कि इजरायल और हमास में जंग शुरू हो गई। इस युद्ध में ईरान भी कूद पड़ा, जिसके बाद यह जंग इजरायल बनाम ईरान लगने लगी। आखिर में अमेरिका ने भी ईरान पर एअर स्ट्राइक की और मिडिल ईस्ट में विश्व युद्ध के हालात बनने लगे।

पिछले कुछ समय से लगातार चल रहे तनाव के बाद अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सभी देशों के बीच में सीजफायर करवाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में अगर उनकी कोशिशें कामयाब होती हैं, तो दुनिया में एक नहीं बल्कि दो सीजफायर के आसार बन रहे हैं।

1. रूस-यूक्रेन सीजफायर- 15 अगस्त को अलास्त में ट्रंप और पुतिन की मुलाकात के बाद ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की समेत 7 यूरोपीय देशों के नेताओं संग व्हाइट हाउस में बैठक की। इस दौरान जेलेंस्की रूस, यूक्रेन और अमेरिकी की त्रिपक्षीय बैठक के लिए मान गए और मुमकिन है कि यह बैठक जल्द ही जेनेवा में देखने को मिले।

रूस, यूक्रेन और अमेरिका की त्रिपक्षीय वार्ता अगले दो हफ्ते में जेनेवा में होने की संभावना है। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार जेलेंस्की और पुतिन इस बैठक में आमने-सामने होंगे।

इस बैठक की सबसे बड़ी डील सुरक्षा गारंटी है, जिसमें अमेरिका ने जेलेंस्की को यूक्रेन की सुरक्षा करने का आश्वासन दिया है।

अमेरिका से सुरक्षा गारंटी पाने के रूप में यूक्रेन 90 अरब डॉलर (7.47 लाख करोड़ रुपये) के हथियार अमेरिका से खरीदेगा। इस डील में लड़ाकू विमान और एअर डिफेंस सिस्टम की खरीद भी शामिल होगी।

मेरे लिए वो नहीं... जेलेंस्की ठीक हैं, ट्रंप-मेलोनी की सीक्रेट टॉक लीक, भूल गईं ये बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में शांति स्थापित कराने वाली इमेज के पीछे भाग रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म कराने के लिए पूरा जोर लगा रहे हैं। पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात फिर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात की। इस दौरान यूरोपीय यूनियन के बड़े नेता भी मौजूद थे।

इसे एक त्रिपक्षीय बातचीत माना जा रहा है। व्हाइट हाउस में हुई इस बातचीत के दौरान का एक ऐसा वाक्या सामने आया है जो अब चर्चा का विषय बन गया है। दरअसल, मीटिंग से पहले एक ऐसा वक्त आया जब ये सभी बड़े नेता भूल गए कि उनका माइक ऑन है, ऐसे में उनके बीच हुई हल्की फुल्की बातचीत भी रिकॉर्ड हो गई।

मेरे लिए वोलोदिमीर ठीक हैं- सोमवार को व्हाइट हाउस में जेलेंस्की के साथ यूरोपीय यूनियन के और नेता भी बातचीत के लिए पहुंचे। सभी नेता एक-दूसरे से मिल रहे थे और एक-दूसरे का हाल चाल जान रहे थे। ये लोग इस बात से अनजान थे कि उनके माइक ऑन हैं। इस दौरान ट्रंप जर्मनी के चांसलर मर्ज से कहते हैं, कैसे हैं आप? सब बढ़िया? आप बढ़िया लग रहे हैं।

इस पर उनके बगल की कुर्सी पर बैठती हुई इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी कहती हैं, मेरे हिसाब से ये (मर्ज) बहुत लंबे हैं। ट्रंप जवाब देते हुए कहते हैं, हां ज्यादा लंबे हैं। तो मेलोनी कहती हैं, मेरे लिए वोलोदिमीर ठीक हैं।

इस दौरान ट्रंप फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों से भी बातचीत करते देखे गए। उनको ये कहते हुए सुना गया, अच्छे लग रहे हैं। थोड़े टैन हो गए हैं, सब ठीक तो है न? अच्छे लग रहे हो।

पाकिस्तान पर जमकर बरसा भारत, कहा- 1971 में लाखों महिलाओं के खिलाफ पाक सेना ने की थी यौन हिंसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऐसा पहली बार नहीं जब पाकिस्तान को भारत ने बड़े मंचों पर जमकर न सुनाई हो। संघर्ष-संबंधी यौन हिंसा पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में भारत की ओर से वक्तव्य देते हुए, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन मैथ्यू पुन्नूस ने पाकिस्तान को आईना दिखा दिया।

भारत ने यूएन में पाकिस्तान पर जमकर बोला हमला

उन्होंने कहा कि 1971 में तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी सेना ने जिस बेखौफ होकर लाखों महिलाओं के खिलाफ घोर यौन हिंसा के जघन्य अपराध किए, वह शर्मनाक है। यह निंदनीय सिलसिला आज भी बेरोकटोक और बेखौफ जारी है। बता दें कि आज भी पाकिस्तान के सिंध और पंजाब प्रांत में दिनदहाड़े लड़कियों का अपरहरण कर लिया जाता है।

आगे यूनएससी की बैठक में भारतीय राजनयिक एल्डोस मैथ्यू पुन्नूस ने कहा कि संघर्ष-संबंधी यौन हिंसा के जघन्य कृत्यों के दोषियों की कड़े शब्दों में निंदा की जानी चाहिए और उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए।

पाकिस्तान में धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ उत्पीड़न- उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ उत्पीड़न के हथियार के रूप में हजारों कमजोर महिलाओं और लड़कियों का बड़े पैमाने पर अपहरण, तस्करी, बाल विवाह और जबरन विवाह, घरेलू दासता, यौन हिंसा और जबरन धर्म परिवर्तन की खबरें और विवरण हाल ही में जारी ओएचसीएचआर रिपोर्टों में भी दर्ज किए गए हैं।

जलगांव में दर्दनाक हादसा, बिजली के तार की चपेट में आने से एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव में एक दुखद हादसा हुआ है, यहां खेत को जंगली जानवरों से बचाने के लिए लगाए गए बिजली के तार की चपेट में आने से दो लड़कों सहित एक ही परिवार को पांच लोगों की मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, घटना के दौरान एक 1.5 साल की बच्ची बाल-बाल बच गई है, वहीं हादसे वाली जगह से दो जंगली सूअर भी मरे हुए पाए गए हैं।

एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत- घटना मंगलवार देर रात एरंडोल के वरखेड़ी गांव में हुई और बुधवार सुबह इसका पता चला। उन्होंने बताया कि घटना में एक शख्स, उसकी पत्नी, एक बुजुर्ग महिला और दो लड़के मृत पाए गए। उनकी पहचान अभी नहीं हो पाई है।

ग्रामीणों ने पुलिस के किया सूचित- पुलिस ने बताया कि एक ग्रामीण, जो बंडू पाटिल के खेत के पास से गुजर रहा था, उसने पांच लोगों को बेसुध पड़े देखा और उनके पास एक बच्ची रो रही थी। उसने उन्हें जगाने की कोशिश की, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, जिसके बाद उसने ग्राम प्रधान और पुलिस को सूचित किया।

बाल-बाल बची डेढ़ साल की बच्ची- घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और सभी लोगों को अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि बच्ची को पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां उसकी देखभाल की जा रही है।

मृतकों के परिवार की तलाश में जुटी पुलिस- पुलिस के मुताबिक, पैदल जा रहे मृतक परिवार के सदस्य जंगली जानवरों से फसलों को नुकसान पहुंचाने से बचाने के लिए खेत के चारों ओर लगाए गए बिजली के तार के संपर्क में आ गए होंगे।

मैंने गिरफ्तारी से पहले ही पद से इस्तीफा दे दिया था..., अमित शाह ने संसद में किसको सुनाया?

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या फिर किसी मंत्री पर 5 साल से अधिक सजा के प्रावधान वाले केस में आरोप लगता है और अगर वह तीस दिनों तक न्यायिक हिरासत में रहते हैं तो उन्हें पद छोड़ना होगा। इस बिल को गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में पेश किया।

बिल पेश होने के बाद लोकसभा में विपक्ष ने जोरदार हंगामा काटा। इसका विरोध करते हुए कांग्रेस, सपा और टीएमसी से इसे संविधान के खिलाफ कदम बताया है। असदुद्दीन ओवैसी ने भी इसका विरोध किया।

गृह मंत्री अमित शाह ने दिया अपना उदाहरण- विपक्ष के विरोध के बीच अमित शाह ने खुद अपना उदाहरण देते हुए कहा कि राजनीति में शुचिता बनाए रखने के लिए यह जरूरी है और हम अपनी जिम्मेदारी से न भागे।

अमित शाह ने कहा, ÷गुजरात में मैं मंत्री तो मेरे ऊपर आरोप लगे। मैंने पद से इस्तीफा दिया और कोर्ट के आदेशों का पालन किया। इसके बाद मैंने दोबारा जिम्मेदारी तब संभाली, जब आरोपों से बरी हो गया और संविधान के तहत मुझे पद हासिल करने का अधिकार मिला।

कार में मिले दो नाबालिग भाइयों के शव, परिवार ने मर्डर का लगाया आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में बीती रात सनसनीखेज घटना हुई। पुलिस ने बताया कि मंगलवार देर रात जयपुर में एक खड़ी कार में दो नाबालिग भाइयों के शव मिले।

दरअसल शहजाद के बेटे अनस (8) और अहसान (5) शाम को अपने घर के पास खेलते समय लापता हो गए थे। जब वे देर शाम तक घर नहीं लौटे, तो उनके परिवार वालों ने उनकी तलाश शुरू कर दी।

इसके बाद दोनों लड़के अपने घर के पास खड़ी कार में बेहोश पाए गए।

उन्हें एसएमएस अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

परिवार वालों ने हत्या का आरोप लगाया- पुलिस को संदेह है कि मौत का कारण दम घुटना हो सकता है, जबकि परिवार वालों ने हत्या का आरोप लगाया है।

पुलिस ने कहा, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद मौत के सही कारण की पुष्टि होगी।

पुलिस ने बताया कि जिस कार में दोनों शव मिले, वह उसी इलाके के एक निवासी की है। उन्होंने कहा कि उन्होंने संदेह के आधार पर कई लोगों से पूछताछ की है।

अहमदाबाद के स्कूल में 10वीं के स्टूडेंट का मर्डर, 8वीं के छात्र ने मारा चाकू; परिजनों का बवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद स्थित एक स्कूल से चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। 10वीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र पर चाकू से हमला किया गया, जिसमें छात्र की मौत हो गई। इस हमले का आरोप उसी स्कूल में पढ़ने वाले 10वीं के छात्र पर लगा है। घटना के बाद मृतक छात्र के परिजनों ने स्कूल के बाहर हंगामा खड़ा कर दिया।

यह मामला अहमदाबाद के सेवेंथ डे स्कूल का है, जहां दो छात्रों में मामूली सी बात पर लड़ाई हो गई। ऐसे में 10वीं के छात्र ने गुस्से में आकर 10वीं के छात्र पर चाकू से वार कर दिया और उसकी मौत हो गई।

क्या है पूरा मामला- दरअसल यह घटना 19 अगस्त की है। 10वीं का छात्र अपने चचेरे भाई के साथ सेवेंथ डे स्कूल में पढ़ता था। छुट्टी के बाद दोनों सीढ़ियों से नीचे उतर रहे थे, तभी 10वीं के छात्र से उसका झगड़ा हो गया। झगड़ा इतना बढ़ा कि बात मारपीट पर आ गई। इस दौरान आरोपी छात्र ने अपने बैग से चाकू निकाला और सामने वाले पर वार करके मौके से फरार हो गया।

घायल छात्र ने अस्पताल में तोड़ा दम- चाकू लगने से बाद छात्र बुरी तरह से लहूलुहान हो गया। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में छात्र को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। छात्र की मौत के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

पुलिस ने आरोपी छात्र को हिरासत में लिया- परिजनों ने स्कूल पर धावा बोल दिया है। आरोपी छात्र के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही है। वहीं, मृतक छात्र की मां ने खोखरा थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने नाबालिग अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी छात्र को भी हिरासत में ले लिया है।

मां ने दो-चार पैग लिए थे, फिर पापा ने..., अलवर मर्डर केस में बेटे का खुलासा; पत्नी ने नीले ड्रम में रखी थी लाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के खैरथल तिजारा जिले में एक शख्स की हत्या कर उसकी लाश को पत्नी और उसके प्रेमी ने नीले ड्रम में बंद कर दिया। कातिलों की हैवानियत का आलम ये था कि उन्होंने लाश को गलाने के लिए ड्रम में नमक भी भर दिया।

पुलिस के मुताबिक, मृतक हंसराज की पत्नी और उसके कथित प्रेमी जितेंद्र शर्मा ने मिलकर इस जघन्य हत्या को अंजाम दिया। जितेंद्र मृतक के मकान मालिक का बेटा भी है।

उसने हंसराज की पत्नी के साथ मिलकर उसे मौत के घाट उतारा और लाश को पानी के ड्रम में ठूंस दिया। इसके बाद दोनों, हंसराज की पत्नी के बच्चों को लेकर फरार हो गए। लेकिन पुलिस ने सोमवार, 18 अगस्त को दोनों को गिरफ्तार कर लिया। अब इस मामले की तहकीकात जारी है।

पुलिस का कहना है कि हंसराज को उसकी पत्नी और जितेंद्र के अफेयर का पता चल गया था, जिसके बाद दोनों ने उसे रास्ते से हटाने की साजिश रची।

इस खौफनाक कहानी में एक नया मोड़ तब आया, जब मृतक का आठ साल का बेटा चश्मदीद बनकर सामने आया और उसने उस रात की पूरी दास्तान बयां की।

मेरी मां ने तो बस दो-चार पैग ही लिए थे- इस मामले में सबसे बड़ा खुलासा मृतक के आठ साल के बेटे ने किया, जो उस रात का चश्मदीद है। उसने पुलिस को बताया कि कैसे उस रात घटनाएं घटीं।

बच्चे ने कहा, मेरे पापा, मम्मी और अंकल (मकान मालिक का बेटा) एक साथ शराब पी रहे थे। मेरी मां ने तो बस दो-चार पैग ही लिए थे, लेकिन अंकल और पापा ने बहुत ज्यादा पी। इसके बाद पापा ने मम्मी को मारना शुरू कर दिया। अंकल ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो पिता ने कहा कि अगर तूने उसे बचाया, तो मैं तुझे भी मार दूंगा।

छत्तीसगढ़ मंत्रिमंडल का विस्तार- बीजेपी के 3 नए विधायक बने मंत्री, राज्य के गठन के बाद पहली बार हुआ ऐसा काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में बुधवार (20 अगस्त, 2025) को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंत्रिमंडल में तीन भाजपा विधायकों को शामिल किया गया। अब मंत्रिमंडल की संख्या बढ़कर 14 हो गई, जो राज्य के इतिहास में सबसे अधिक है। परंपरागत रूप से 13 सदस्यीय मंत्रिमंडल होता था।

राजभवन में आयोजित एक समारोह में राज्यपाल रमेन डेका ने भाजपा विधायकों राजेश अग्रवाल, गुरु खुशवंत साहेब और गजेंद्र यादव (सभी पहली बार विधायक बने हैं) को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। नवनियुक्त मंत्रियों के विभागों की घोषणा अभी नहीं की गई है।

राज्य के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा काम- समारोह में मुख्यमंत्री साय, विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह, राज्य के मंत्री और अन्य नेता शामिल हुए। राज्य के गठन (2000 में) के बाद से 90 सदस्यीय विधानसभा में मुख्यमंत्री सहित 13 विधायक पारंपरिक रूप से मंत्रिमंडल का हिस्सा रहे हैं लेकिन इस बार पहली बार है जब 13 मंत्रियों का मंत्रिमंडल बनाया गया है। इस विस्तार से पहले छत्तीसगढ़ मंत्रिमंडल में सीएम साय सहित 11 सदस्य थे।

अपनाया इस राज्य का मॉडल- सूत्रों के अनुसार, छत्तीसगढ़ ने हरियाणा मॉडल अपनाया है, जहां 90 सदस्यीय विधानसभा में मुख्यमंत्री सहित 14 मंत्री होते हैं। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, किसी राज्य की मंत्रिपरिषद का आकार, विधानसभा की कुल संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकता। छत्तीसगढ़ में यह सीमा 13.5 है, जिससे 14 कैबिनेट सदस्यों के लिए जगह बनती है।

मंत्रिमंडल में दिखा जातिगत संतुलन- स्तारित मंत्रिमंडल में जातिगत और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व का संतुलन झलकता है। नए शामिल किए गए तीन मंत्रियों में से यादव अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय से हैं, साहेब अनुसूचित जाति से और अग्रवाल सामान्य वर्ग से हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए। पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

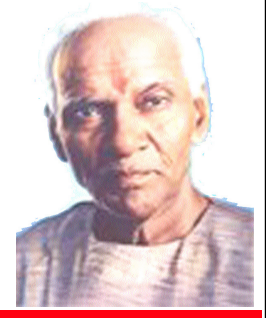

विक्रम संवत 2079 शुक्ल तृयोदशी

संपादकीय

शॉर्ट-फॉर्म सामग्री के उदय ने छात्रों को जानकारी का उपभोग करने के तरीके को गहराई से प्रभावित किया

टिकटोक, इंस्टाग्राम रील्स और यूट्यूब शॉर्ट्स जैसी शॉर्ट-फॉर्म सामग्री के उदय ने छात्रों को जानकारी का उपभोग करने के तरीके को गहराई से प्रभावित किया है और परिणामस्वरूप, उनके दिमाग को कैसे आकार दिया जा रहा है। यह स्क्रॉल, सीखना, दोहराना चक्र संभावित लाभ और महत्वपूर्ण कमियों दोनों के साथ एक जटिल तस्वीर प्रस्तुत करता है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अंतहीन स्क्रॉलिंग से घिरा हुआ है, और व्यक्तिगत रुचि का एक क्यूरेट फीड है, नई पीढ़ी अंतहीन रूप से इस बात पर त्वरित निर्णय ले रही है कि उनके ध्यान की अवधि के योग्य क्या है और क्या नहीं। इन नए दिमाग में अलग-अलग फोकसिंग क्षमताएं हो सकती हैं। जहां पुरानी पीढ़ियों को लंबे समय तक ध्यान केंद्रित करने के लिए अपने दिमाग को प्रशिक्षित करने के लिए बनाया गया था, आज के युवा छात्र बहुत तेजी से गति वाले वातावरण में बड़े हुए हैं जो उन्हें उनके धीरज के बजाय उनकी गतिशीलता के लिए लाभ पहुंचाता है। ध्यान और संज्ञानात्मक कार्य पर प्रभाव शॉर्ट-फॉर्म सामग्री के सबसे अधिक चर्चा किए गए परिणामों में से एक ध्यान स्पैन पर इसका प्रभाव है। इन वीडियो की तेजी से आग प्रकृति, उनके त्वरित कटौती, निरंतर दृश्य उत्तेजना और तत्काल संतुष्टि के साथ, मस्तिष्क को निरंतर नवीनता और तेजी से पुस्तक जानकारी की उम्मीद करने के लिए प्रशिक्षित करती है। इससे छात्रों के लिए कई चुनौतियां हो सकती हैं।

ध्यान में कमी स्पैन- अध्ययनों में छात्रों द्वारा शॉर्ट-फॉर्म सामग्री पर खर्च किए जाने वाले समय की मात्रा और धीमी गति, संज्ञानात्मक रूप से मांग वाले कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने की उनकी क्षमता के बीच एक नकारात्मक सहसंबंध पाया गया है। वे पाठ्यपुस्तकों, व्याख्यानों और वृत्तचित्रों जैसी दीर्घकालिक सामग्री के साथ संघर्ष कर सकते हैं जिन्हें विस्तारित एकाग्रता की आवश्यकता होती है।

कम वर्किंग मेमोरी- शॉर्ट-फॉर्म सामग्री की अत्यधिक खपत को कम काम करने वाली मेमोरी से जोड़ा जा सकता है, जो जानकारी को बनाए रखने और संसाधित करने के लिए महत्वपूर्ण है। इससे छात्रों के लिए जटिल तर्कों का पालन करना या किसी पाठ से विवरण याद रखना मुश्किल हो सकता है।

अधीरता और शिथिलता- लघु-रूप सामग्री की डोपामाइन-चालित प्रकृति तत्काल संतुष्टि का एक चक्र बना सकती है जो छात्रों के लिए उन कार्यों में संलग्न होना कठिन बनाता है जो तत्काल पुरस्कार प्रदान नहीं करते हैं, जैसे कि कठिन परीक्षा के लिए अध्ययन करना। इससे शैक्षणिक शिथिलता बढ़ सकती है। स्क्रॉल, जानें, दोहराएं चक्र- एक डबल-एडेड तलवार हालांकि नकारात्मक प्रभाव संबंधित हैं, स्क्रॉल, सीखना, दोहराना मॉडल सीखने और कौशल विकास के लिए नए रास्ते भी प्रदान करता है।

माइक्रो-लर्निंग एंड इंफॉर्मेशन फ़िल्टरिंग- शॉर्ट-फॉर्म कंटेंट माइक्रो-लर्निंग के लिए एक प्रभावी उपकरण हो सकता है, जो आसानी से पचने वाली जानकारी के काटने के आकार के टुकड़े वितरित करता है। छात्रों के लिए, यह एक सूचना-अतिभारित दुनिया में एक लाभ हो सकता है, क्योंकि यह उन्हें सामग्री के बारे में जल्दी से स्कैन, फ़िल्टर और निर्णय लेने में मदद करता है।

सगाई और प्रेरणा- टिकटोक जैसे मंच शैक्षिक सामग्री को मनोरंजक और नेत्रहीन आकर्षक तरीके से प्रस्तुत करके सीखने को अधिक आकर्षक और सुलभ बना सकते हैं। उदाहरण के लिए, कुछ अध्ययनों से पता चला है कि एक पूरक उपकरण के रूप में ळ्द्वद्मञ्जश्द्ध का उपयोग करने से भाषा सीखने में महत्वपूर्ण सुधार हो सकता है, क्योंकि यह छात्रों को प्रामाणिक भाषा उपयोग के लिए उजागर करता है।

वामनराव बलिराम लाखे

वामनराव बलिराम लाखे भारत की आज़ादी के लिए संघर्ष करने वाले छत्तीसगढ़ राज्य के स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे। 1913 में लाखे जी ने अपना कार्य क्षेत्र सहकारी आंदोलन को बनाया था, जिससे वे जीवन पर्यन्त जुड़े रहे। सहकारिता आंदोलन के द्वारा दुःखी और शोषित किसानों की सेवा तथा सहयोग करना उनका प्रमुख उद्देश्य था। सन 1915 में रायपुर में होमरूल लीग की स्थापना की गई थी। वामनराव बलिराम लाखे जी उसके संस्थापक थे। छत्तीसगढ़ में शुरू में जो राजनीतिक चेतना फैली, उसमें लाखे जी का बहुत बड़ा योगदान था। उन्होंने अपना सारा जीवन राष्ट्रीय आन्दोलन और सहकारी संगठन में बिताया।

जन्म- वामनराव बलिराम लाखे का जन्म 17 सितम्बर, 1872 को रायपुर, छत्तीसगढ़ में हुआ था। उनके पिता पण्डित बलीराव गोविंदराव लाखे ग़रीब व्यक्ति थे, किन्तु कठोर परिश्रम से उन्होंने कई ग्राम ख़रीद लिये थे। जब वामनराव बलिराम लाखे का जन्म हुआ, उस समय तक उनके परिवार की गणना समृद्ध घरानों में होने लगी थी।

शिक्षा- वामनराव बलिराम लाखे ने रायपुर से मैट्रिक उत्तीर्ण किया। माधवराव सप्रे भी उस समय उसी स्कूल में पढ़ते थे। दोनों में दोस्ती हो गई। सन 1900 में जब माधवराव सप्रे ने छत्तीसगढ़ मित्र नाम से मासिक पत्रिका का प्रकाशन किया तो लाखे जी उस पत्रिका के प्रकाशक थे। छत्तीसगढ़ की यह पहली पत्रिका थी। सिर्फ तीन साल तक यह पत्रिका चली, पर उन तीन सालों के भीतर ही उस पत्रिका के माध्यम से राष्ट्रीय जागरण का युग आरम्भ हो गया था।

विवाह तथा वकालत- मैट्रिक पास होते ही वामनराव बलिराम लाखे का विवाह जानकी बाई के साथ करा दिया गया था। विवाहोपरांत वे उच्च शिक्षा हेतु नागपुर गये। सन 1904 में क़ानून की परीक्षा पास करके रायपुर में वकालत करने लगे। वकालत के साथ ही साथ उन्होंने सार्वजनिक, सामाजिक व राजनीतिक कार्यों में भाग लेना प्रारंभ कर दिया था। लाखे जी ने जब रायपुर में वकालत शुरु की तो उनका उद्देश्य था लोगों के लिए कुछ महत्वपूर्ण काम करना, ताकि उनकी दशा में सुधार हो। उनका उद्देश्य पैसे अर्जन करना नहीं था। उनकी पत्नी ने भी हमेशा उनका साथ दिया।

सहकारिता आंदोलन- वर्ष 1913 में वामनराव बलिराम लाखे ने अपना कार्यक्षेत्र सहकारी आंदोलन को बनाया, जिससे वे जीवन पर्यन्त जुड़े रहे। सहकारिता आंदोलन के द्वारा इस अंचल के दुःखी और शोषित किसानों की सेवा तथा सहयोग करना उनका प्रमुख उद्देश्य था। 1913 में ही उन्होंने रायपुर में को-आपरेटिव सेन्ट्रल बैंक की स्थापना की थी, जिसके वे 1936 तक अवैतनिक सचिव के पद पर रहकर कठोर परिश्रम तथा निष्ठा के साथ कार्य करते रहे और संस्था को उन्नति के सर्वोच्च शिखर तक पहुंचा दिया। 1937 से 1940 तक वे इस संस्था के अध्यक्ष पद पर रहे। उनके प्रयास से ही 1930 में बैंक का अपना स्वयं का भवन बनाया गया था।

पत्रिका छत्तीसगढ़ मित्र- छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता का इतिहास 120 साल पुराना है। उस युग में आज की तरह कम्प्यूटरों और अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित प्रिंटिंग प्रेस थे और न ही इंटरनेट और मोबाइल फोन जैसे तीव्र गति के संचार उपकरण। सुविधाविहीन उस युग में छत्तीसगढ़ जैसे इलाके में और इस इलाके के पेंड्रा जैसे आदिवासी बहुल पिछड़े अंचल से हिन्दी मासिक पत्रिका छत्तीसगढ़ मित्र का प्रकाशन एक बड़ी ऐतिहासिक घटना थी। जनवरी 1900 में प्रारंभ यह छत्तीसगढ़ की पहली मासिक पत्रिका थी, जिसके माध्यम से राज्य में पत्रकारिता की बुनियाद रखी गयी।

पंडित वामनराव बलीराम लाखे इस पत्रिका के प्रकाशक थे। सुप्रसिद्ध साहित्यकार पंडित माधवराव सप्रे और उनके सहयोगी रामराव चिंचोलकर छत्तीसगढ़ मित्र के सम्पादक थे। यह मासिक पत्रिका रायपुर के एक प्रिंटिंग प्रेस में छपती थी। सम्पादन का मुख्य दायित्व सप्रे जी निभाते थे। स्वतंत्रता संग्राम के उस दौर में छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में साहित्य और पत्रकारिता के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना का विकास इस पत्रिका के प्रकाशन का मुख्य उद्देश्य था। हालांकि आर्थिक समस्याओं के कारण इसका प्रकाशन सिर्फ तीन साल तक हो पाया, लेकिन उस जमाने में छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता के इतिहास का पहला अध्याय छत्तीसगढ़ मित्र के माध्यम से लिखा गया। इसमें प्रकाशक के रूप में वामन बलीराम लाखे की भी बड़ी भूमिका थी।

कर्मठता और संगठन क्षमता - पूरे देश में आज़ादी के आंदोलन की तरंगें उमड़ रही थीं। लाखेजी ने उन दिनों यहाँ के किसानों को संगठित कर सहकारिता आंदोलन का भी शंखनाद किया। राजधानी रायपुर का 107 साल पुराना जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक और बलौदा बाजार स्थित 75 वर्ष पुराना सहकारी किसान राइस मिल लाखेजी की यादगार कर्मठता और संगठन क्षमता की निशानियां हैं। उन्होंने वर्ष 1913 में रायपुर में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक और वर्ष 1945 में बलौदा बाजार में सहकारी किसान राइस मिल की स्थापना की। राजधानी रायपुर के एक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का नामकरण उनके नाम पर किया गया है, जो विगत कई दशकों से सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। महात्मा गांधी के आह्वान पर लाखेजी 1920 में अंग्रेज़ हुकूमत के खिलाफ असहयोग आंदोलन से जुड़ गए।

स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका- वर्ष 1941 में व्यक्तिगत सत्याग्रह के दौरान उन्हें सिमगा में गिरफ्तार किया गया और चार महीने की कैद की सजा हुई। तब वह 70 साल के थे। उन्हें नागपुर जेल में रखा गया था। इसके पहले आरंग की एक आम सभा में लाखेजी ने अंग्रेजों की हुकूमत को गुण्डों का शासन बताते हुए कहा कि अब इस विदेशी सरकार को ज़्यादा समय तक हम नहीं चलने देंगे। उन्होंने आम सभा में जनता से इसके लिए आज़ादी के आन्दोलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया। इस पर 25 जून 1930 को ब्रिटिश सरकार ने उन्हें गिरफ़्तार कर लिया। लाखेजी को एक साल की सजा सुनाई गयी और 300 रुपए का अर्थदण्ड भी लगाया गया। उन्हें नागपुर जेल में रखा गया था।

स्वर्गीय श्री हरि ठाकुर ने अपने ग्रन्थ छत्तीसगढ़ गौरव गाथा में लिखा है- सन 1922 में रायपुर में जिला राजनीतिक परिषद का आयोजन किया गया था। लाखेजी इस परिषद के प्रमुख आयोजकों में से थे। उसी वर्ष लाखेजी रायपुर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। उन्होंने कांग्रेस संगठन को रायपुर जिले में सुदृढ करने के लिए कठोर परिश्रम किया। सन 1924 में लाखेजी ने कांग्रेस संगठन के भीतर छत्तीसगढ़ को पृथक प्रदेश का दर्जा देने की मांग की, जो प्रांतीय कांग्रेस द्वारा अमान्य कर दी गयी। रायपुर जिले में कांग्रेस संगठन की नींव रखने वाले, राष्ट्रीय जागरण के पुरोधा के रूप में लाखेजी का स्थान सर्वोपरि है। वे इस जिले में सहकारिता आंदोलन के पितामह थे। यह भी उल्लेखनीय है कि लाखे जी दो बार रायपुर नगर पालिका के निर्वाचित अध्यक्ष रह चुके थे।

रायसाहब की उपाधि- सन 1915 में रायपुर में होमरूल लीग की स्थापना की गई थी। लाखे जी उसके संस्थापक थे। छत्तीसगढ़ में शुरू में जो राजनीतिक चेतना फैली थी, उसमें लाखे जी का बहुत बड़ा योगदान था। उन्होंने अपना सारा जीवन राष्ट्रीय आन्दोलन और सहकारी संगठन में बिताया। 1915 में बलौदा बाज़ार में किसान को-आपरेटिव राइस मिल की स्थापना उन्होंने की थी। लाखे जी को अंग्रेज़ हुकूमत ने किसानों की सेवाओं के लिए 1916 में रायसाहब की उपाधि दी थी।

खादी का प्रचार- सन 1921 में माधवराव सप्रे ने रायपुर में राष्ट्रीय विद्यालय की स्थापना की। उस विद्यालय के मंत्री लाखे जी बने। लाखे जी खादी का प्रचार करने लगे। 1921 में अक्टूबर के महीने में रायपुर में ÷खादी सप्ताह÷ मनाया गया था, जिसके प्रमुख संयोजकों में से एक थे लाखे जी। न जाने कितने लोग उस वक्त उत्साह के साथ खादी पहनने लगे थे। 1922 में वामनराव बलिराम लाखे रायपुर ज़िला कांग्रेस के अध्यक्ष निर्वाचित हुए और इसी समय में उन्होंने नियमित खादी वस्त्र पहनने का संकल्प लिया तथा विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का संकल्प लिया।

पांच पाण्डव- 1930 में जब महात्मा गाँधी ने आन्दोलन शुरू किया तो रायपुर में इस आन्दोलन का नेतृत्व वामनराव बलिराम लाखे, ठाकुर प्यारेलाल सिंह, मौलाना रउफ़, महंत लक्ष्मीनारायण दास और शिवदास डागा कर रहे थे। ये पांचों रायपुर में स्वाधीनता के आन्दोलन में पांच पाण्डव के

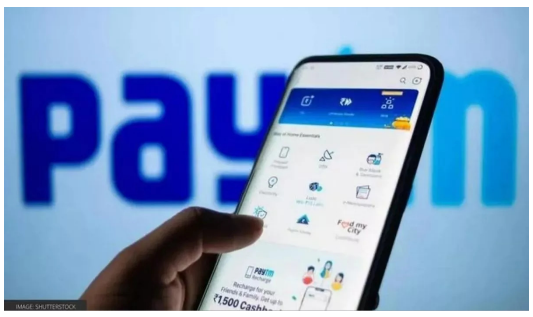

पेटीएम के शेयरों में आएगी और बड़ी तेजी? इस म्यूचुअल फंड हाउस ने खरीदे 26 लाख शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेटीएम के शेयरों में पिछले कुछ दिनों से लगातार तेजी बनी हुई है और स्टॉक का प्राइस 1050 से बढ़कर 1238 रुपये पर आ गया है। ऐसे में आईपीओ के समय से पैसा लगाए बैठे शेयरधारक राहत की सांस ले रहे हैं, क्योंकि पेटीएम के शेयरों में 400 रुपये के निचले स्तर से जबरदस्त रिकवरी देखने को मिली है। मई 2024 में पेटीएम के शेयर 396 रुपये के स्तर तक पहुंच गए थे। पिछले साल आरबीआई द्वारा पेटीएम के खिलाफ लिए गए फैसलों से कंपनी के शेयरों में जबरदस्त गिरावट देखने को मिली थी। हालांकि, अब रिजर्व बैंक ने अब बैन हटाकर पेटीएम को बड़ी राहत दी है।

पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के शेयर 20 अगस्त को एक फीसदी से ज्यादा चढ़कर 1,238 रुपये के स्तर पर पहुंच गए। इसके साथ ही पेटीएम के शेयरों ने 52 वीक हाई लगा दिया। खास बात है कि कंपनी के शेयर 3 साल के उच्च स्तर पर पहुंच चुके हैं। इस बीच घरेलू ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल फंड हाउस की पेटीएम के शेयरों में हिस्सेदारी बढ़कर 5 फीसदी हो गई है।

26 लाख शेयरों का सौदा- मोतीलाल फंड हाउस ने 11 अगस्त, 2025 को ओपन मार्केट ट्रांजेक्शन के जरिए पेटीएम में अतिरिक्त 26.31 लाख शेयर खरीदे, जो कंपनी की कुल इक्विटी के 0.41 प्रतिशत के बराबर है। इस खरीद के बाद, वन 97 कम्युनिकेशंस में मोतीलाल ओसवाल फंड हाउस की कुल शेयरहोल्डिंग बढ़कर 3.29 करोड़ शेयर हो गई, जो कंपनी की कुल इक्विटी पूंजी का 5.15 प्रतिशत है।

ब्रोकरेज हाउसेज बढ़ा चुके हैं टारगेट प्राइस- हाल ही में ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने पेटीएम के शेयरों पर "HOLD" रेटिंग को अपग्रेड कर "BUY" कर दिया, साथ ही टारगेट प्राइस 900 रुपये के मुकाबले 1250 किया है। इसके अलावा, Citi भी पेटीएम के शेयरों पर 1215 रुपये का टारगेट प्राइस दे चुका है। खास बात है कि पेटीएम के शेयरों का मौजूदा भाव इन सभी टारगेट प्राइस से ऊपर जा चुका है।

राम नगरी से लेकर शेखों के दुबई तक Big B के पास बंगले-फ्लैट की भरमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने रियल एस्टेट मार्केट में अपनी शानदार इंवेस्टमेंट स्ट्रैटेजी का परफॉर्मेंस किया है। उन्होंने कई प्रॉपर्टीज को अच्छे मुनाफे के साथ बेचा है। जैसे कि इसी साल उन्होंने मुंबई से ओशिवारा एक डुप्लेक्स 83 करोड़ रु में बेचा, जिसे उन्होंने अप्रैल 2021 में 31 करोड़ रु में खरीदा था।

100 करोड़ वाला जलसा- जलसा नामक बंगला अमिताभ बच्चन का प्राइमरी रेसिडेंस है, जो जुहू में स्थित है।

10,125 वर्ग फुट में फैला यह शानदार दो मंजिला बंगला, फिल्म सत्ते पे सत्ता के डायरेक्ट रमेश सिप्पी ने बिग बी को गिफ्ट किया था। इसकी वैल्यू 100-120 करोड़ रु आंकी जाती है।

जनक है बिग बी का वर्कप्लेस- जलसा के पास ही अमिताभ बच्चन का बंगला जनक भी है। यह बंगला अमिताभ के लिए उनके ऑफिस और क्रिएटिव स्पेस के रूप में भी काम करता है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उन्होंने इसे साल 2004 में लगभग 50 करोड़ रुपये में खरीदा था।

बिग बी के पास प्रतीक्षा नामक बंगला भी है। इसी घर में अभिषेक-ऐश्वर्या की शादी हुई थी। बच्चन परिवार ने सन 1976 में यह बंगला खरीदा था। बाद में प्रतीक्षा को आधिकारिक डीड ट्रांसफर के ज़रिए अमिताभ की बेटी श्वेता नंदा को गिफ्ट में दिया गया था।

ये है देश का सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाला फंड, तीन साल में 3 गुना कर दिया पैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यूचुअल फंड में आज हर कोई निवेश करना चाहता है। म्यूचुअल फंड के तहत आपको अलग-अलग फंड में निवेश करने का मौका मिल जाता है। निवेशकों को अक्सर ये कन्फ्यूजन रहती है कि कौन-सा फंड उनके लिए सही रहेगा या उन्हें किस फंड में निवेश करना चाहिए।

आज हम आपको ऐसे फंड के बारे में बताने वाले हैं, जो देश का सबसे बड़ा रिटर्न देना वाला फंड है। इसके साथ ही इस फंड ने तीन साल में 3 गुना रिटर्न दिया है। हालांकि किसी भी फंड में निवेश करने से पहले वित्तीय सलाह लेनी चाहिए।

इस फंड ने तीन साल में दिया 3 गुना रिटर्न- Mirae Asset NYSE Fang+ETF फंड का बीते तीन सालों में छ्व्रत्रक्र 54.14 फीसदी रहा है। तीन सालों में इसका हाईएस्ट रिटर्न 34.04 फीसदी है, वहीं लोएस्ट रिटर्न 7.29 फीसदी है।

इस फंड में सबसे आकर्षक करने वाली बात ये है कि इसका एक्सपेंस रेश्यो 0.06 फीसदी है। इसका शार्प रेश्यो 1.79 फीसदी है। वहीं इसका Exit load 0.50 फीसदी है। इसकी होल्डिंग कुछ इस प्रकार है-

Mirae Asset NYSE Fang+ETF (99 फीसदी)

TREPS (0.12%)

Not Receivable (-0.12%)

कौन कर रहे हैं फंड मैनेज- इस फंड को एकता गाला और अक्षय ऊदेशी द्वारा मैनेज किया जाता है।

Mirae Asset की वेबसाइट से मिली जानकारी के अनुसार ह्वङ्कस्श्च स्नङ्गठ्ठद्द का अर्थ है कि ये फंड टेक्नोलॉजी और कंज्यूमर सेक्टर में निवेश करता है। NYSE Fang+Index के अंतर्गत 10 स्टॉक जैसे Alibaba, Facebook, Alphabet, Apple, Baidu, Nvidia, Amazon, Netfli&, Twitter, Tesla शामिल हैं।

SME से मेनबोर्ड में शिफ्ट होगा ये शेयर, 3 साल में दिया 750 फीसदी का रिटर्न!

अभी Swaraj Suiting शेयर की कीमत 180 रुपये है। आज यह 1 फीसदी से ज्यादा उछला है। इसके शेयर ने 3 साल में निवेशकों को 750 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है।

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वराज सुटिंग कंपनी ने बुधवार को हुई अपनी बोर्ड मीटिंग में कई अहम निर्णयों की घोषणा की। जिसमें सबसे अहम कंपनी का शेयर का अब NSE के SME प्लेटफॉर्म से माइग्रेट होकर NSE मेन बोर्ड और सीधे BSE मेन बोर्ड पर ट्रेड होने का फैसला है। यह निर्णय शेयरधारकों, स्टॉक एक्सचेंजों और अन्य नियामक प्राधिकरणों की मंजूरी के अधीन है। इसके लिए कंपनी जल्द ही शेयरधारकों को पोस्टल बैलेट नोटिस भेजेगी।

इसके अलावा कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए दिनेश आगल एंड कंपनी, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, भीलवाड़ा को आंतरिक लेखापरीक्षक के रूप में पुनर्नियुक्त किया है। वहीं कंपनी ने स्नङ्ग 2025-26 से स्नङ्ग 2029-30 तक की अवधि के लिए संजय सोमानी एंड एसोसिएट्स, प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेटरीज, भीलवाड़ा को सीक्रेट्रियल ऑडिटर के रूप में पुनर्नियुक्त किया है। यह नियुक्ति आगामी AGM में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन होगी।

सेबी से 5 कंपनियों को मिली आईपीओ लाने की मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इनोवेटिव्यू इंडिया और पार्क मेडी वर्ल्ड समेत पांच कंपनियों को आईपीओ के जरिये फंड जुटाने के लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी से मंजूरी मिल गई है। बुधवार को सेबी ने यह जानकारी दी। सेबी की ओर से दी जानकारी के अनुसार, रियल एस्टेट कंपनी रनवाल एंटरप्राइजेज , कंस्ट्रक्शन मशीन एक्सपोर्टर जिनकुशल इंडस्ट्रीज और कृषि रसायन कंपनी एडवांस एग्रोलाइफ को भी आईपीओ लाने के लिए सेबी की मंजूरी मिल गई।

कब किया था सेबी के पास आवेदन- इन पांच कंपनियों ने फरवरी और अप्रैल के बीच सेबी के पास आईपीओ लाने के लिए आवेदन किया था। अब इस हफ्ते उन्हें आईपीओ के लिए अनुमति मिल गई। आईपीओ दस्तावेज (डीआरएचपी) के अनुसार इनोवेटिव्यू इंडिया का आईपीओ 2,000 करोड़ रुपये तक के ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) पर आधारित होगा।

अस्पताल चेन चलाने वाली पार्क मेडी वर्ल्ड अपने आईपीओ के जरिये 1,260 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। इसमें 900 करोड़ रुपये के नए शेयर और 300 करोड़ रुपये के शेयर ओएफएस के जरिए बेचे जाएंगे।

रियल एस्टेट डेवलपर कंपनी रनवाल एंटरप्राइजेज का आईपीओ 1,000 करोड़ रुपये का नए शेयरों वाला इश्यू होगा, जिसमें कोई ओएफएस शामिल नहीं है। वहीं जिनकुशल इंडस्ट्रीज के आईपीओ में 86.5 लाख नए शेयर और 10 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल के जरिए बेचे जाएंगे।

वहीं जयपुर स्थित कृषि-रसायन उत्पाद बनाने वाली एडवांस एग्रोलाइफ लिमिटेड का आईपीओ पूरी तरह 1.92 करोड़ के नए शेयरों वाला होगा। बताते चलें कि ओएफएस में मौजूदा शेयरहोल्डर अपने शेयर बेचते हैं।

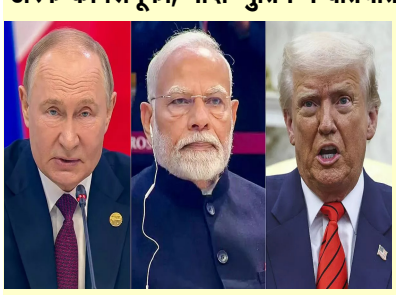

रूस के ऑफर से उड़ जाएंगे ट्रंप के होश, बेअसर होगा 50% टैरिफ का शिगूफा, मोदी-पुतिन में बातचीत के बाद आया ये बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुश्किल वक्त में एक बार रूस फिर से भारत का सच्चा सहयोगी और दोस्त साबित हुआ है। भारत और अमेरिका में टैरिफ को लेकर बढ़ते टकराव के बीच भारत में रूसी दूतावास के प्रभारी रोमन बाबुश्किन ने 20 अगस्त को कहा कि यदि भारतीय कंपनियों को अमेरिकी बाजार में प्रवेश करने में कठिनाई होती है तो रूस भारतीय वस्तुओं का स्वागत करेगा। दरअसल, रूस से तेल खरीदने के मसले पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगा चुके हैं। ऐसे में भारत से अपने उत्पाद अमेरिका को निर्यात करने वाली कंपनियों की चिंता बढ़ गई है।

दिल्ली में रूसी दूतावास के प्रभारी रोमन बाबुश्किन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, ÷यदि भारतीय वस्तुओं को अमेरिकी बाजार में प्रवेश करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, तो रूसी बाजार भारतीय निर्यात का स्वागत कर रहा है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

सिंगरौली में मिला रेयर अर्थ एलिमेंट्स का भंडार

भोपाल। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में रेयर अर्थ एलिमेंट्स (आरईई) का अकूत भंडार मिला है इससे अब भारत की चीन जैसे देशों पर निर्भरता नहीं रहेगी। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने संसद में जानकारी दी थी कि भारत में पहली बार इतनी विशाल मात्रा में इन दुर्लभ तत्वों का पता चला है।

यह उपलब्धि भारत को ग्रीन एनर्जी, इलेक्ट्रानिक्स और रक्षा तकनीक के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने कहा है कि मध्य प्रदेश अब क्रिटिकल मिनरल्स हब बनेगा। प्रदेश ऊर्जा राजधानी के साथ क्रिटिकल मिनरल्स की राजधानी भी कहलाएगा। बता दें कि रेयर अर्थ एलिमेंट्स, जिन्हें आरईई भी कहा जाता

है, 17 विशेष रासायनिक तत्वों का समूह है। इनमें लैंथेनम, सेरियम, नियोडिमियम, प्रेजोडायमियम और यट्रियम जैसे तत्व शामिल हैं। इन्हें पृथ्वी की सतह से निकालना और शुद्ध करना बेहद जटिल और महंगा है इसलिए इन्हें दुर्लभ कहा जाता है।

रेयर अर्थ एलिमेंट्स की खोज को देखते हुए राज्य सरकार अब इनके प्रसंस्करण और शोध-अन्वेषण के लिए बेसिक इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने में जुटी है। हाल ही में खनिज संसाधन विभाग रेयर अर्थ एलिमेंट्स पर सेंटर आफ एक्सीलेंस स्थापित करने की संभावनाएं तलाश रहा है, जो अनुसंधान, प्रशिक्षण और उद्योग को विश्वस्तरीय आधार प्रदान करेगा। सिंगरौली जिले में मिले इस खजाने से भारत ग्रीन एनर्जी, इलेक्ट्रिक वाहनों और उच्च तकनीकी उद्योगों में आत्मनिर्भर बनेगा।

कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा किया गया शोध

आने वाले समय में यह खोज आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूती देने के साथ ही औद्योगिक विकास को नई रफ्तार देगी। कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा किए गए शोध में सिंगरौली की कोयला खदानों और चट्टानों में इनकी औसत मात्रा 250 पीपीएम और गैर-कोयला स्तर पर लगभग 400 पीपीएम आंकी गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में कोयले की राख और ओवरबर्डन भी क्रिटिकल मिनरल्स का सैकंडरी स्रोत बन सकते हैं।

रेयर अर्थ एलिमेंट्स का उपयोग अनेक आधुनिक उद्योगों में किया जाता है। इसका उपयोग रक्षा और अंतरिक्ष तकनीक जैसे सैमरियम-कोबाल्ट और नियोडिमियम चुम्बक उच्च-प्रदर्शन वाले हथियारों, उपग्रह संचार और रक्षा इलेक्ट्रानिक्स में अनिवार्य हैं। पेट्रोलियम उद्योग, डिस्प्ले और प्रकाश उपकरण, आटोमोबाइल सेक्टर में उपयोग किया जाता है।

शहडोल में झाड़-फूंक के नाम पर ठगी... दिव्यांग से 35,000 रुपए, बकरा और अनाज ले भागे आरोपी

शहडोल। जिले में झाड़ फूंक और चमत्कारी इलाज का झांसा देकर 35 हजार रुपए, एक बकरा, 60 किलो चना, एक कंबल और शराब की बोतल ठगने का मामला सामने आया है।

इस मामले की शिकायत के लिए पीड़ित कई दिन तक थाने गया, लेकिन जब पुलिस ने उसकी शिकायत पर संज्ञान नहीं लिया तो पुलिस अधीक्षक के पास शिकायत पहुंची। इसके बाद गोहपारु थाने में मामला दर्ज हो गया है। पुलिस के अनुसार गोहपारू थाना क्षेत्र के बरेली निवासी दिव्यांग महेंद्र सिंह 27 जून को अपने पिता का इलाज कराने कुशाभाऊ ठाकरे

जिला अस्पताल शहडोल गया गया था।

इसी दौरान उसकी मुलाकात दो महिलाओं और एक पुरुष से हुई। वे उनसे परिचित नहीं थी। तीनों ने महेंद्र को झांसा दिया कि वे झाड़ फूंक के माध्यम से विशेष इलाज के जरिए उसकी दिव्यांगता को पूरी तरह ठीक कर देंगे। महेंद्र उनके बहकावे में आ गया दिव्यांगता से छुटकारा पाने के लिए उनकी बात मान ली। ठगो ने उससे 35 हजार रुपये नगद, एक काला बकरा, 35 किलो चना, एक कंबल और शराब की बोतल तक लेकर इलाज का आश्वासन देकर चले गए। कई दिन तक उनका इंतजार महेंद्र ने उनके द्वारा दिए गए फोन नंबर पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन पता नहीं चला तो वह समझ गया कि उसके साथ ठगी हो गई है।

इसके बाद उसने गोहपारु थाने जाकर आपबीती सुनाई, लेकिन पुलिस टाल दिया। लगातार थाने के चक्कर लगाता रहा, लेकिन पुलिस ने गंभीरता से नहीं लिया। इसके बाद पीड़ित 40 किलोमीटर का सफर तय कर पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव के पास पहुंचा।

पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए। करीब दो माह बाद गोहपारू पुलिस ने दो महिलाओं (बबली) और पुरुष (बंटी) के विरुद्धा धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है और आरोपितों की तलाश कर रही है। पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव का कहना है कि ग्रामीण के साथ ठगी हुई थी, जिसकी शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपितों की गिरफ्तारी के निद्रेश गोहपारु पुलिस को दिया गया है।

दादी के अस्थि विसर्जन में पोतों ने गंवाई जान... छोटे भाई को बचाने नर्मदा में कूदा बड़ा भाई, दोनों की डूबने से मौत

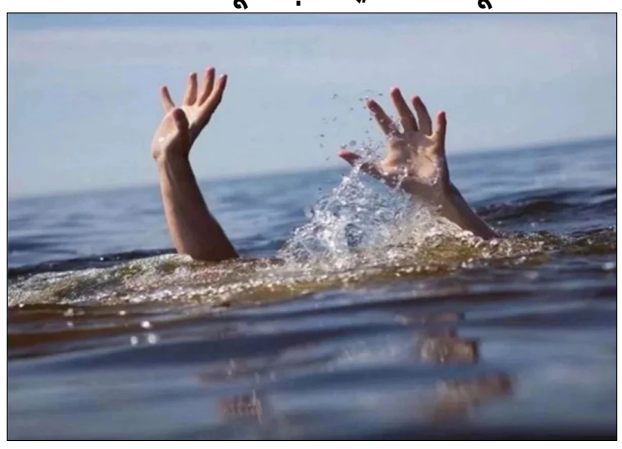

डही। कातरखेड़ा में नर्मदा नदी में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई। यह हादसा बुधवार सुबह करीब 8 बजे यहां से 10 किमी दूर कातरखेड़ा में हुआ, जहां छोटे भाई को नर्मदा में डूबता देख बड़े भाई ने उसे बचाने के लिए पानी में छलांग लगा दी, लेकिन दोनों ही डूब गए।

दोनों भाई डही के धरमराय रोड़ निवासी होकर वर्तमान में अपने पिता के साथ आलीराजपुर रहते हुए पढ़ाई कर रहे थे। वे अपनी दादी के अस्थि विसर्जन कार्यक्रम में डही आकर रिश्तेदारों के साथ कातरखेड़ा नर्मदा नदी पहुंचे थे। ऊपरी बांधों से पानी छोड़े जाने और बारिश के कारण नर्मदा में जलस्तर खतरे के निशान के ऊपर था। जानकारी के अनुसार, आकाश (13 वर्षीय) पुत्र मुकेश सस्त्या और हिमेश (19 वर्षीय) पुत्र मुकेश सस्त्या अपनी दादी वाकली बाई के अस्थि विसर्जन कार्यक्रम में अपनी माता के साथ डही आए हुए थे। दोनों भाई अपने 10-12 रिश्तेदारों के साथ बुधवार सुबह 8 बजे नर्मदा तट कातरखेड़ा पहुंचे थे।

अस्थि विसर्जन और मुंडन संस्कार के दौरान आकाश गहरे पानी में नहाने चला गया। इस बीच वह डूबने लगा तो उसे बचाने उसका बड़ा भाई हिमेश भी नर्मदा में कूद गया। लेकिन दोनों ही सगे भाई गहरे पानी में डूब गए। दादा कालू सिंह ने दोनों को बचाने का बहुत प्रयास किया। उसके बाद मौजूद परिजनों ने शवों को बाहर निकाला?।

सुबह 9 बजे बाद दोनों भाई को डही अस्पताल लाया गया। बीएमओ डॉ विजय अहरवाल ने बताया कि दोनों भाई को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था, जिसके बाद दोनों भाइयों का दोपहर 12-30 बजे तक पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों को सौंपे गए।

घर के दोनों चिराग बुझ गए, शोक में डूबा डही-इधर इस हृदय विदारक घटना के बाद नगर में शोक की लहर छा गई। परिजनों और रिश्तेदारों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। दोनों भाइयों के पिता मुकेश होमगार्ड के पद पर आलीराजपुर में पदस्थ होते हुए घटना वाले दिन इंदौर में प्रशिक्षण पर थे, जिसकी उन्हें सूचना दी गई।

देवास के खातेगांव में सीएम राइज स्कूल के बच्चे बस चालू करने की मांग करते हुए सड़क पर उतरे

खातेगांव (देवास)। निजी स्कूलों की तर्ज पर हाइटेक सुविधाएं देने के वादे के साथ करीब चार साल पहले शुरू हुए सीएम राइज स्कूलों (सांदीपनि विद्यालयों) में सुविधाओं, संसाधनों की उपलब्ता की रफ्तार सुस्त गति से चल रही है। परिवहन सुविधा पटरी से उतरी हुई है। अंचल के खातेगांव में काफी दिनों से परिवहन सुविधा बंद होने के कारण परेशान हो रहे बच्चे बुधवार को सड़क पर उतर आए।

बड़ी संख्या में बच्चे सड़क पर बैठ गए और हमारी मांगें पूरी करो, हम अपना अधिकार मांगते, नहीं किसी से भीख मांगते... जैसे नारे लगाए। मामले की सूचना मिलने पर शिक्षा विभाग के स्थानीय अधिकारी, एसडीएम प्रवीण प्रजापति आदि मौके पर पहुंचे और प्रदर्शन कर रहे बच्चों से चर्चा की। उनकी समस्याएं व मांगे सुनी और बस सुविधा फिर से शुरू करने के संबंध में तुरंत प्रयास शुरू किए। सात में से पांच स्कूलों में बंद हैं बसें शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार वर्तमान में देवास जिले के सात सीएम राइज स्कूलों में से चिड़ावद, देवास, पोलाखाल, कन्नौद व खातेगांव में परिवहन सुविधा बंद है जबकि सन्नौड़ व बागली में बसों का संचालन हो रहा है। वर्षा काल में बसे नहीं चलने से बच्चों व पालकों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मुख्य ठेकेदार ने स्थानीय बस वालों को नहीं किया भुगतानबताया जा रहा है कि बस संचालन का मुख्य ठेका जिस कंपनी के पास है, उसके द्वारा स्थानीय स्तर पर बस वालों को बस संचालन का जिम्मा दिया गया था। इनका भुगतान कंपनी द्वारा नहीं करने के कारण बसों का संचालन बंद कर दिया गया है।

पिछले दिनों कंपनी के कुछ कर्मचारियों पर धोखाधड़ी का एक प्रकरण भी टोंकखुर्द थाने में दर्ज हुआ था जिसमें टेंडर के दौरान फर्जी तरीके के कागजों का उपयोग किया गया था।

संभागायुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में संभाग स्तरीय स्वास्थ्य शिविरों की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की पहल पर इंदौर संभाग में इसी सप्ताह से प्रारम्भ होने जा रहे संभाग स्तरीय स्वास्थ्य शिविरों की तैयारियों को लेकर पैथोलॉजी लैब प्रबंधकों के साथ संभागायुक्त कार्यालय में आज बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने की। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह द्वारा गत वर्ष आयोजित किये गये स्वास्थ्य जाँच शिविरों की समीक्षा की गई। साथ ही आगामी 23 अगस्त से पुनः प्रारम्भ हो रहे स्वास्थ्य जांच शिविरों की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस. रणदा, क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य डॉ. शॉजी जोसफ, क्षेत्रीय संयुक्त संचालक डॉ. पूर्णिमा गडरिया, कीट विज्ञानी डॉ. सी.एस. शर्मा एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि गत वर्ष आयोजित संभाग स्तरीय स्वास्थ्य शिविर के उत्साहजनक परिणाम प्राप्त हुए। इस बार भी सभी स्वास्थ्य शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न हो, इसके लिए हमें अभी से पूर्व तैयारियां कर लेना चाहिए। आशा कार्यकर्ता और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से पहले ग्रामीण अंचलों में जाकर बीमार व्यक्तियों को चिन्हित कर लिया जाए और उसकी सूची बनाकर मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी को उपलब्ध करा दी जाए। विशेषकर मशीनों की संख्या बढ़ाई जाये, जिसमें सोनोग्राफी मशीन, मेमोग्राफी, ईसीजी मशीनें आदि शामिल है।

संभागायुक्त श्री सिंह ने निजी लैब प्रबंधन से अपेक्षा की है कि आगामी 23 अगस्त से 30 नवम्बर तक संभाग के सभी जिलों क्रमशः इंदौर, धार, झाबुआ, अलीराजपुर, बुरहानपुर, बड़वानी, खण्डवा और खरगोन जिले के सुदूर अंचलों में कुल 29 स्वास्थ्य शिविर आयोजित किये जायेंगे। इन स्वास्थ्य शिविरों में आधुनिक मशीनों से चिह्नित मरीजों की विभिन्न प्रकार की जांचें की जायेगी। जिसमें - उच्च रक्तचाप, कैंसर, डायबिटीज, दंत रोग, नेत्र रोग आदि जांचें शामिल हैं। जाँच के बाद चिन्हित मरीजों के निःशुल्क इलाज की व्यवस्था की जायेगी। स्वास्थ्य शिविर में इस बार सोनोग्राफी मशीनों की संख्या बढ़ाई जाएगी। संभाग के सभी शासकीय अस्पतालों के चिकित्सक विशेषज्ञ सहित निजी अस्पतालों के चिकित्सक भी अपनी सेवाएं देंगे। इसके अलावा होम्योपैथी और आयुष महाविद्यालयों के चिकित्सकों की सेवाएं ली जायेगी।

जिला रोजगार कार्यालय के काउंसलर एवं विषय विशेषज्ञ द्वारा विद्यार्थियों को कैरियर एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन प्रदान किया

इंदौर। राज्य शासन के मंशानुसार जिला रोजगार कार्यलय इंदौर द्वारा काउंसलिंग और मार्गदर्शन हेतु काउंसलर और विषय विशेषज्ञों की टीम द्वारा शासकीय मॉडल हायर सेकेण्डरी स्कूल गांधी नगर में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को कैरियर हेतु मार्गदर्शन दिया गया। उप संचालक रोजगार श्री पी. एस. मंडलोई ने बताया कि छात्र-छात्राओं के बेहतर भविष्य निर्माण में सहयोग के लिए कैरियर एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। छात्र-छात्राओं को बेहतर विषय चुनने में मदद कर सके इस हेतु टीम के काउंसलर एवं विषय विशेषज्ञ डॉ. धीरज हासिजा, सुश्री प्रियंका तिवारी एवं श्री जीतेन्द्र पांचाल ने केरियर काउंसिलिंग एवं भविष्य की केरियर योजनाओं के बारे में जानकारी दी। सभी ने मार्गदर्शन/वार्ता के माध्यम से शासन की स्वरोजगार और केरियर योजनाओं से भी अवगत कराया गया।

वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम 23 अगस्त को

इंदौर। वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत 23 अगस्त को नायता मुंडला क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के सामने स्थित सड़क किनारे ग्रीन बेल्ट में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधिगण शामिल होंगे। वृक्षारोपण अभियान का उद्देश्य शहर को अधिक हरित, स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त बनाना है।

आजीविका-मिशन प्रतिभा के अवसर और सम्मान देने का बना मंच - मंत्री श्री पटेल

इंदौर। बहुत से लोगों में प्रतिभा होती है, लेकिन उनके पास कोई मंच नहीं होता। आज आजीविका मिशन ऐसा सशक्त मंच बनकर उभरा है, जो उनकी प्रतिभा को अवसर और सम्मान दोनों प्रदान कर रहा है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल मंगलवार को भोपाल में होटल कोर्टयार्ड मैरियट में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत तीन दिवसीय जेंडर रिसोर्स सेंटर की एसओपी लेखनशाला को संबोधित कर रहे थे। इस लेखनशाला में देशभर के 20 राज्यों से प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान 'संघर्ष से सम्मान की ओर' कॉफी बुकलेट का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह तथा आजीविका मिशन की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती हर्षिका सिंह एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस आयोजन का उद्देश्य जेंडर रिसोर्स सेंटर की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाना तथा राज्यों के अनुभवों के आदान-प्रदान के माध्यम से महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करना है।

आगामी डेढ़ माह में 5.60 लाख मेट्रिक टन यूरिया प्राप्त होने की संभावना – मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि चालू वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही में पूंजीगत व्यय में वृद्धि वाले प्रथम तीन राज्यों में मध्यप्रदेश ने अपना स्थान बनाया है। कैग के आंकड़ों के अनुसार देश के 16 राज्यों ने पिछले वर्ष की तुलना में पूंजीगत व्यय में वृद्धि दर्ज की है। गुजरात 65त्न, उत्तर प्रदेश 42त्न और मध्यप्रदेश की उपलब्धि 41त्न है। साल दर साल वृद्धि के साथ मध्यप्रदेश का यह सबसे उत्कृष्ट प्रदर्शन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की इस उपलब्धि के लिए मंत्रि-परिषद के सभी साथियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से नई दिल्ली में भेंट कर उन्हें प्रदेश में जारी विकास कार्यों से अवगत कराया तथा उन्हें आगामी दिनों में भोपाल मेट्रो ट्रेन के शुभारंभ और विशाल किसान सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी के दोनों कार्यक्रमों में शामिल होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में मध्यप्रदेश ने निर्यात में अपनी रैंकिंग में सुधार करते हुए अब तक का सबसे अधिक 66 हजार 218 करोड़ रुपए का निर्यात किया है। निर्यात में 6त्न की बढ़ोतरी हुई है, जो फार्मास्युटिकल, इंजीनियरिंग गुड्स और सोया उत्पादों में निर्यात बढ़ने के फलस्वरुप हुई है। राष्ट्रीय स्तर पर निर्यात में मध्य प्रदेश की रैंकिंग 15 से 11 हो गई है।

कुष्ठ उन्मूलन एवं वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम के अंतर्गत मैदानी कार्यकर्ताओं का उन्मुखीकरण

इंदौर। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय हेपेटाइटिस कंट्रोल कार्यक्रम के अंतर्गत अभिनव कला समाज के सभागृह में आज मैदानी कार्यकर्ताओं का उन्मुखीकरण किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य प्राथमिक अवस्था में कुष्ठ रोगियों की खोज, उपचाररत एवं उपचार मुक्त कुष्ठ रोगियों का फॉलोअप, कुष्ठ रोगियों के संपर्क में आये स्वस्थ व्यक्तियों को रोग से बचाव हेतु सिंगल डोज Rifampicin की दवा दी जा सके तथा राष्ट्रीय वायरल हेपेटाईटिस कंट्रोल कार्यक्रम के अंतर्गत समस्त गर्भवती महिलाओं की हेपेटाइटिस-बी की जाँच हो सके एवं हेपेटाइटिस-बी पॉजिटिव गर्भवती महिलाओं के नवजात शिशुओं को HBIG का टीका लगाया जा सके।

इस अवसर पर उप संचालक डॉ. निधि शर्मा ने कहा कि आम जनता को इसके लिए जागरुक करना होगा कि फेटी लीवर के खतरे से बचाव जरुरी है, इससे बचकर हम हेपेटाइटिस-बी और कैंसर के खतरे से बच सकते हैं।

चलित झांकी पहली महिला कलाकार स्वाति लवंगड़े को 22वां मालव रत्न अलंकरण, विद्युत सज्जा में रमेशचन्द्र देवांग को किया जाएगा सम्मानित

इंदौर। नेताजी सुभाष मंच एवं श्री गीता-रामेश्वरम ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में 22वां मालवा रत्न अलंकरण का आयोजन किया जा रहा है। इस बार चलित झांकी की पहली महिला कलाकार स्वाति लवंगडे को मालवा रत्न अलंकरण से विभुषित किया जाएगा। इस अवसर रमेशचन्द्र देवांग को झांकियों में लगने वाली विद्युत सज्जा के लिए सम्मानित किया जाएगा।

जानकारी देते हुए मंच के अध्यक्ष मदन परमालिया एवं ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल ने संयुक्त रूप से बताया कि आयोजन गुरुवार, 21 अगस्त को प्रातः 10ः30 बजे इंडियन कॉफी हाउस, रिगल तिराहा (पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर) में आयोजित किया जाएगा।

यह सम्मान देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में मातृशक्ति को नमन करते हुए प्रदान किया जा रहा है। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा होंगे। साथ ही सहकारिता नेता राधेश्याम पटेल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोहर धवन, युवा नेता चेतन चौधरी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहेंगे।

श्री परमालिया ने आगे बताया कि सौ. स्वाति लवंगड़े वर्ष 2014 से स्वतंत्र रूप से झांकी निर्माण के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उन्होंने घरेलू सीमाओं से बाहर निकलकर अपनी प्रकृतिदत्त कला का उपयोग सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में किया है। उनके द्वारा बनाई गई झांकियों को कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, और मंच सज्जा के क्षेत्र में भी उनका योगदान सराहनीय रहा है, विशेष रूप से मालवा उत्सव एवं गणेश उत्सव में।

इस वर्ष अखाड़ों व अखाड़ों के कलाकारों को श्री गणेश विसर्जन के पश्चात् भव्य समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

सर्व समाज के 51 नव दंपतियों की सहभागिता, गर्भ संस्कार के नियम संयम का लिया संकल्प

इंदौर। भारत की पुरातन संस्कृतियों में 16 संस्कारों में गर्भ संस्कार को प्रमुखता हमेशा से दी गई है भौतिकता के सुख सुविधा दौर में हम अपनी संस्कृति और संस्कार को पीछे छोड़ रहे हैं इसी का नतीजा है कि आज हमारी नई पीढ़ी माता-पिता की अवहेलना करते हुए उनकी बातों को मानने से इंकार करती है अगर हमको नई पीढ़ी का सुव्यवस्थित निर्माण करना है तो गर्भावस्था के दौरान एवं इससे पहले गर्भ संस्कार के नियम संयम और ऋषि मुनियों द्वारा बताए गए तौर तरीकों को अपनाना होगा।

यह विचार मंगलवार को दिव्य संतान प्रकल्प अभियान के शुभारंभ अवसर पर 51 नव दंपतियों को गर्भ संस्कार की जानकारी प्रदान करते हुए अतिथियों ने जाल सभागृह में व्यक्त किए। दिव्य संतान प्रकल्प के राष्ट्रीय संयोजक पं.योगेंद्र महंत ने बताया कि गर्भ संसार का यह दिव्य प्रकल्प भोपाल जबलपुर खंडवा खरगोन सहित प्रदेश के प्रमुख शहरों के साथ दिल्ली में भी आयोजित किया जाएगा, इंदौर में समाज के विभिन्न वर्गों कि इसमें सहभागिता रहेगी। मंगलवार अभियान की शुरुआत में अतिथि श्रीमती सावित्री महंत विषय विशेषज्ञ डॉक्टर अनिल गर्ग डॉ जगदीश जोशी श्रीमतीसुनीता जोशी, डॉ प्रियंका वेदी, श्रीमती शीला राव, पं.योगेंद्र महंत आदि ने मां सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख द्वीप प्रज्वलितकर किया।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरु वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

उज्जैन में आकाशवाणी उज्जैन केंद्र की तैयारी अंतिम चरण में, चयन प्रक्रिया शुरू

सतत शिक्षा अध्ययनशाला परिसर स्थित पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला में संपन्न हुई लिखित परीक्षा, अब स्वर परीक्षण और साक्षात्कार के बाद होंगे चयनित

उज्जैन । महाकाल की नगरी उज्जैन में सितम्बर माह में अपने स्वयं के आकाशवाणी केंद्र से गूंजने जा रही है।मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से स्थापित हो रहा यह केंद्र अब प्रारंभिक चरणों से गुजरकर प्रसारण की ओर अपने कदम बढ़ा रहा है । विक्रम विश्वविद्यालय की सतत् शिक्षा अध्ययनशाला परिसर स्थित पत्रकारिता एवं जनसंचार अध्ययनशाला में बुधवार को आकाशवाणी के लिए विभिन्न पदों हेतु चयन प्रक्रिया के प्रथम चरण लिखित परीक्षा का आयोजन हुआ। इस परीक्षा में शहर के 100 से अधिक आवेदक शामिल हुए।विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रो अर्पण भारद्वाज,आकाशवाणी भोपाल के कार्यक्रम प्रमुख राजेश भट्ट और सतत् शिक्षा अध्ययनशाला के प्रभारी संचालक डॉ सुशील कुमार शर्मा ने परीक्षा

का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए ।

आकाशवाणी भोपाल के कार्यक्रम प्रमुख राजेश भट्ट ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आकाशवाणी उज्जैन केंद्र में उद्घोषणा कार्य, महिला कार्यक्रम, ग्रामसभा, युववाणी कार्यक्रम के लिए समनुदेशिती अर्थात असाइनी के प्रोविजनल पैनल हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए थे।जिसमें करीब 130 आवेदको में से लगभग 100 आवेदको ने लिखित परीक्षा दी । यह चयन प्रक्रिया किसी नियमित रोजगार के लिए नहीं है,इसमें सफल उम्मीदवारों को कार्यक्रम संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सिर्फ और सिर्फ जब जैसी आवश्यकता होगी के आधार पर कार्यक्रम कार्य हेतु प्रस्ताव दिया जा सकता है।

श्री भट्ट ने बताया कि इस परीक्षा के दौरान विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलगुरू प्रो अर्पण भारद्वाज ने निरीक्षण करके महत्वपूर्ण निर्देश दिये ।

श्री भट्ट ने बताया कि आकाशवाणी उज्जैन केंद्र सितम्बर में ही अपना कार्य प्रारंभ करने की संभावना है,इस हेतु कार्यक्रम अधिकारियों की नवीन पदस्थापना की जा चुकी है ।

श्री भट्ट ने बताया कि,लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण आवेदकों का स्वर परीक्षण ऑडिशन दिनांक 21 अगस्त को प्रार्थना 9:00 बजे से तथा स्वर परीक्षण में उत्तीर्ण आवेदकों का व्यक्तिगत साक्षात्कार दिनांक 22 अगस्त 2025 को होगा। युववाणी के आवेदक सीधे स्वर परीक्षण हेतु दिनांक 21 अगस्त 2025 को दोपहर 2:00 बजे उपस्थित होंगे विस्तृत विवरण आवेदकों को व्हाट्सएप पर भेजे जाएंगे।

सामूहिक विवाह सम्मेलन 2025 के आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया

उज्जैन। म.प्र. गुजराती सेन समाज कल्याण समिति व रजिस्टर्ड युवा संगठन उज्जैन ने सामूहिक विवाह सम्मेलन 2025 का आय-व्यय ब्यौरा प्रस्तुत किया।

प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी कुलदीप वर्मा एवं कोषाध्यक्ष महेंद्र वर्मा बाहुबली ने संयुक्त रूप से बताया कि मंगलनाथ मार्ग स्थित शुरभी गॉर्डन में आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम सेनजी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया। तत्पश्चात मध्यप्रदेश राज्य केश शिल्पी बोर्ड के अध्यक्ष स्व. श्री नन्दकिशोर जी वर्मा को सामूहिक श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का स्वागत सम्मान एवं सामाजिक न्याय परिसर उज्जैन में हुए सामूहिक विवाह सम्मेलन 2025 के आय-व्यय का ब्यौरा सभी समाजजनों के बीच पुरी ईमानदारी व पूर्ण पारदर्शिता के साथ प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश संरक्षक भरत भाटी ने की। विशेष अतिथि वरिष्ठ शिक्षक, समाजसेवी गौरीशंकर वर्मा आष्टा वाले व अतिथि के रूप मे सी.के. सोलंकी (रि.डीएसपी), महेश मालवीय भोपाल, कचरूलाल भीमाखेड़ा, उमेश भाटी, राधेश्याम वर्मा रंथभंवर, राज वर्मा पार्षद देवास, शैलेन्द्र वर्मा तराना, पवन वर्मा, सुभाष भाटिया, संतोष वर्मा सांवेर, शिवनारायण सोलंकी नागदा, मणिशंकर वर्मा शाजापुर, मनीष गोयल, भरत वर्मा, राजेश लक्की, विक्रम भाटी, मनोहर बोडाना, शिव भाटी, जितेन्द्र राठौर, सोहन भाटी, जितेन्द्र बालाजी, विष्णु वर्मा, शंकर चौहान, सागर सेन, संदीप वर्मा, विजय रॉयल, ओम वर्मा, अशोक वर्मा, ओम वर्मा रुलकी, मोहन गोयल, पंकज वर्मा, दिनेश दानीगेट, संजय रंथभंवर, संजय चौहान, राजेश गहलोत, परमानंद सेन, हरीश परमार, मुकेश सेन बिल्डर, महेश भाटी, सचिन भाटी, राहुल भाटी, नाना भाटी, अशोक परमार, मनोज परमार, गोविन्द वर्मा, ओम रंथभंवर, मिथिलेश सेन, हेमंत सेन सहित सैकड़ो समाजजन उपस्थित रहे। संचालन, प्रदेश अध्यक्ष बालकृष्ण वर्मा ओर राकेश राजहंस ने किया। अंत मे आभार सम्मेलन अध्यक्ष संतोष भाटी ने माना।

किसान नेता राकेश टिकैत आज आएंगे, जमीन अधिग्रहण के मामले में किसानों से करेंगे चर्चा

उज्जैन। भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत आज 21 अगस्त को उज्जैन आ रहे हैं। वहीं यहां महाकाल मंदिर व बोरेश्वर महादेव दंगवाडा बड़नगर दर्शन करने के पश्चात उज्जैन जमीन अधिग्रहण के मुद्दे पर संबंधित किसानों से चर्चा करेंगे। चौधरी राजेश जाट गुणावद ने बताया कि भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता किसान नेता राकेश टिकैत दंगवाड़ा में 21 अगस्त को श्री बोरेश्वर महादेव मंदिर में (स्वयंभू रिसोर्ट) में किसानों के बीच में रहेंगे एवं किसानों को संबोधित करेंगे। इस दौरान सोयाबीन का न्यूनतम भाव 6 हजार रुपये हो, किसानों की कर्ज माफी को लेकर, किसानों को 12 घण्टे सतत् बिजली दी जावे, खाद यूरिया, डिऐपी, एनपी के की पूर्ती के लिए, गेहू का न्यूनतम भाव 3 हजार रुपये हो।

इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य का मध्यप्रदेश लघुवेतन कर्मचारी संघ ने किया अभिनंदन

उज्जैन । इंजीनियरिंग कालेज के नवागत प्राचार्य उमेश पेंढारकर द्वारा प्राचार्य का पद भार ग्रहण करने पर मध्यप्रदेश लघुवेतन कर्मचारी संघ जिला शाखा उज्जैन के जिला अध्यक्ष हेमराज घावरी के नेतृत्व मे दशरथ सिहोते जिला उपाध्यक्ष व मुकेश रायकवार जिला सचिव सहित कर्मचारी संघ की पुरी टीम के द्वारा स्वागत अभिनंदन किया गया।

शासन एवं सुप्रीम कोर्ट द्वारा उज्जैन इंजीनियरिंग कालेज के प्राचार्य बनाये जाने पर मध्यप्रदेश लघुवेतन कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष हेमराज घावरी एवं संघ की टीम के पदाधिकारियों द्वारा प्राचार्य कक्ष मे पहुँच कर प्राचार्य को फुल माला पहनाकर व गुलदस्ता देकर भव्य स्वागत किया गया। साथ ही कर्मचारियों ने आशा व्यक्त की कि जो कर्मचारीयों का शोषण हो रहा है। उस शोषण को रोका जाये और कर्मचारियों को उनका हक अधिकार मिले। इस अवसर पर हेमराज घावरी उज्जैन जिला अध्यक्ष, दशरथ सिहोते जिला उपाध्यक्ष, रायसिंह सोलंकी अजाक्स अध्यक्ष, रामप्रसाद सोलंकी, सुनीता बोरासी, योगेश वावगे, प्रीती कांछी, रमेश धानक, भैरुलाल मालवीय, जीतेन्द्र चौहान, राकेश यादव, चंचल डागर आदि कर्मचारीगण उपस्थित रहे। यह जानकारी जिला सचिव मुकेश रायकवार ने दी।

जैन सोशल ग्रुप 'मैत्री' ने तीन दिनों तक की भक्ति, साधना और सेवा

जरूरतमंदों के लिए निःशुल्क भोजन पैकेट वितरण किये, सामूहिक साधना एवं ध्यान किया

उज्जैन। जैन सोशल ग्रुप मैत्री उज्जैन के तत्वावधान में आयोजित त्रिदिवसीय भव्य आयोजन भक्ति, साधना और सेवा की अद्भुत छटा बिखेरते हुए सम्पन्न हुआ। इस तीन दिवसीय महोत्सव में राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत झंडावंदन, गौसेवा, प्रेरक सेमिनार, सामूहिक साधना एवं निःशुल्क भोजन वितरण जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। समाजबंधुओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी और सहयोग से यह आयोजन न केवल भव्य बना बल्कि आत्मिक शांति और सामाजिक एकता का अनूठा संदेश भी दे गया।

आयोजन का शुभारंभ झंडावंदन से हुआ। इस अवसर पर रुपाली जैन तहसीलदार उज्जैन एवं नरेंद्र कुमार यादव थाना प्रभारी नानाखेड़ा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एमपी रीजन सह-सचिव संजय कोठारी, जोन कोऑर्डिनेटर प्रकाश गांधी, संस्थापक अध्यक्ष अभिषेक सेठिया, मैत्री अध्यक्ष अशोक कोठारी एवं सचिव संजय जैन (सोनी) सहित ग्रुप के सभी सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सभी अतिथियों और सदस्यों का आभार रवि पालरेचा ने व्यक्त किया।

गौसेवा और आध्यात्मिक सेमिनार-दूसरे दिन की शुरुआत तिलकेश्वर गौशाला में गौसेवा से हुई। समाजबंधुओं ने श्वेत परिधान धारण कर बड़ी संख्या में पहुँचकर गोमाता की सेवा की। आहार, स्वच्छता एवं सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी से सभी ने करुणा, सहअस्तित्व और धर्मभावना का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया। शाम को आयोजित विशेष सेमिनार में सूरत के विद्वान सुरेन्द्र कुमार राखेचा ने ÷आत्मा का अलौकिक स्वरूप÷ विषय पर ओजस्वी व्याख्यान दिया। उनके सारगर्भित विचारों ने उपस्थित जनों को आत्मचिंतन और आत्म-जागृति की प्रेरणा दी।

सेवा प्रकल्प और साधना-अगले दिन श्री नागेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर, अरविंद नगर में स्थापना दिवस एवं फेडरेशन डे मनाया गया। सुबह ध्वजारोहण से शुरुआत हुई। दोपहर में चरक अस्पताल, आगर रोड पर जरूरतमंदों के लिए निःशुल्क भोजन पैकेट वितरण का विशाल सेवा प्रकल्प सम्पन्न हुआ। समाजबंधुओं ने स्वयं सेवक बनकर बड़ी संख्या में भोजन पैकेट वितरित किए और सेवा की भावना को मूर्त रूप दिया। शाम को सामूहिक साधना एवं ध्यान का आयोजन हुआ।

मुख्य परेड समारोह में प्रभावी संचालन के लिए सम्मानित हुए स्वामी मुस्कुराके

उज्जैन। राष्ट्रीय पर्व 15 अगस्त के मुख्य परेड में सांस्कृतिक कार्यक्रम पुरस्कार वितरण समारोह का देश भक्ति पूर्ण प्रभावी संचालन करने पर शैलेंद्र व्यास स्वामी मुस्कुराके को कलेक्टर रोशन सिंह, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने प्रसन्न भाव से सम्मानित किया एवं सफल संचालन की बधाई प्रदान की।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1991 से शैलेंद्र व्यास स्वामी मुस्कुराके दशहरा मैदान के मुख्य परेड समारोह 15 अगस्त एवं गणतंत्र दिवस 26 जनवरी का प्रभावी संचालन कर रहे हैं।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com